सोमवार
22 मई 2023

पृष्ठ 4

तरबूज खाएं ही नहीं, चेहरे पर भी लगाएं!

पृष्ठ 5

फिल्म द गेम ऑफ गिरगिट से जुड़ीं अदा शर्मा

● देहरादून
● वर्ष 31
● अंक 110
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

आज का विचार

थोड़े दिन रहने वाली विपत्ति अच्छी है क्योंकि उसी से मित्र और शत्रु की पहचान होती है।

— रहीम

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक
आर.एन.आई.- 59626/94
email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com
डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

दो हजार के नोट ने पत्रकारों को बनाया खिल्ली का पात्र

विशेष संवाददाता

देहरादून। धन्य है हमारे देश का लोकतंत्र और इस लोकतंत्र का चौथा स्तंभ जिसे प्रेस कहा जाता है। प्रेस और पत्रकार स्वतंत्रता की इस अमृतवेला में क्या से क्या हो गए और उनका ज्ञान तो बस पूछिए ही नहीं क्योंकि यही वह पत्रकार है जो देश की राजनीति और समाज को नई दिशा और दशा देने की जिम्मेदारी अपने कंधों पर उठाए हुए हैं। सोशल मीडिया पर वायरल हो रही एक वीडियो क्लिप जिसे देख कर कोई भी दांतो तले उंगली दबा लेगा और इन पत्रकारों के ज्ञान पर हैरान हो जाएगा। हमारा इस देश व प्रदेश के लोगों से अनुरोध है की पत्रकारिता और प्रेस का मखौल बनाने वाले इन पत्रकारों की हकीकत जानने के लिए आप सभी इस वीडियो को जरूर देखें जो अपने ज्ञान से अपनी खुद ही खिल्ली उड़वा रहे हैं।

इस वीडियो में उस समय के इनके वक्तव्य दिखाए गए हैं जब मोदी सरकार

❑लोकतंत्र के रखवालों के ज्ञान पर हंस रहा है हर कोई

द्वारा 2016 में नोटबंदी की गई थी और पचास, सौ, दो सौ तथा पांच सौ व दो हजार के नए नोट लांच किए गए थे। यह वही दो हजार का गुलाबी नोट है जिसे 2016 में मोदी सरकार ने लांच किया था। सरकार की नोटबंदी को काले धन पर रोक को लेकर प्रचार करने और इन नए नोटों की तारीफ में कसीदे पढ़ने का ठेका इन पत्रकारों को दिया गया था। आम आदमी जब इन नए नोटों की गुणवत्ता पर सवाल उठा रहा था और इन्हें चूरन वाले नोट बता रहा था तब यही टीवी चैनलों के पत्रकार इन्हें हाईली सिक्योर बताते हुए कोई इनमें जीपीएस चिप लगे होने का दावा कर रहा था तथा कोई इनके 120 मीटर नीचे मिट्टी में दबे होने पर इनकी जानकारी आईटी विभाग को लगने की गारंटी दे रहा था कि इसमें ऐसा अलार्म सिस्टम है जो घंटी बजा कर बता देगा कि मैं यहां छिपा रखा हूं। किसी का कहना था कि अगर फ्रीजर में इस दो हजार के नोट को रख दिया तो यह चिप उगलने लगेगा।

अब इन नोटों को आरबीआई ने चलन से बाहर करने का फैसला लिया है तो यह दो हजार के नोट पर ज्ञान बांटने वाले पत्रकार किस तरह हंसी का पात्र बन रहे हैं यह बात इस वीडियो क्लिप को देख कर खुद ब खुद आपकी समझ में आ जाएगी। साथ ही यह भी समझ में आ जाएगा कि इन दिनों हमारा नामचीन मीडिया और टीवी चैनल तथा इनके पत्रकार लोकतंत्र की हिफाजत कैसे कर रहे हैं?

सड़क दुर्घटना में तीन की मौत, एक घायल

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। सड़क दुर्घटना में देर रात एक तेज रफ्तार कार डिवाइडर से टकराने के बाद ट्रक के नीचे जा घुसी। हादसे में कार सवार चार लोग गम्भीर रूप से घायल हुए। जिन्हे अस्पताल पहुंचाया गया जहां तीन को चिकित्सकों ने मृत घोषित किया वहीं एक का उपचार जारी है।

सड़क दुर्घटना का यह मामला हरिद्वार के बहादराबाद थाना क्षेत्र का है यहां एक तेज रफ्तार कार डिवाइडर से टकराने के बाद ट्रक के नीचे जा घुसी। हादसा इतना भयानक था कि कार में बैठे चारों लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। अस्पताल ले जाने पर तीन को चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। जबकि एक की हालत गंभीर बनी हुई है। मृतक हरियाणा के रहने वाले बताए जा रहे हैं। पुलिस के मुताबिक घटना रविवार देर रात की है, जब हरियाणा के रेवाड़ी से विनय कुमार, हेमंत यादव, रोहित और दीपक कार से हरिद्वार आ रहे थे। बहादराबाद थाना क्षेत्र में पहुंचते ही रघुनाथ मॉल के पीछे हाइवे पर कार की रफ्तार तेज होने के कारण घुमाव पर डिवाइडर से टकरा गई। इसके बाद हाईवे पर ट्रक से टकरा गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर घायलों को अस्पताल भिजवाया जहां हेमंत, रोहित, दीपक को चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। जबकि विनय की हालत गंभीर बनी हुई है।

जी-20 बैठकः श्रीनगर में चप्पे-चप्पे पर सुरक्षाबल तैनात

नई दिल्ली। श्रीनगर में आज से जी20 देशों के तीसरे पर्यटन कार्य समूह की बैठक शुरू होने जा रही है। अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम की सफलतापूर्वक मेजबानी करने के लिए कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई है। आज होने वाली बैठक डल झील के तट पर शेरी कश्मीर इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर में आयोजित की जाएगी। जी20 देशों के 60 समेत 180 से अधिक प्रतिनिधियों के इस कार्यक्रम में शामिल लेने की उम्मीद है। केंद्रीय पर्यटन सचिव अरविंद सिंह ने श्रीनगर में एक प्रेस ब्रीफिंग में कहा, श्रीनगर में जी20 की बैठक क्षेत्र की पर्यटन क्षमता और सांस्कृतिक समृद्धि को उजागर करने का एक बेहद खास अवसर देती है। दरअसल, टूरिज्म वर्किंग ग्रुप की ये बैठक आज (22 मई) से 24 मई तक चलेगी। जी20 पर्यटन मंत्रियों की अंतिम बैठक जून में गोवा में होगी। इस संदर्भ में ये बैठक महत्वपूर्ण है क्योंकि मंत्रियों द्वारा अपनाए जाने वाले ड्राफ्ट को श्रीनगर में अंतिम रूप दिया जाएगा। जी 20 की बैठक को देखते हुए सुरक्षा कड़ी कर दी गई है। मरीन कमांडो और एनएसजी की अर्द्धसैनिक बल और पुलिस मदद ले रही है।

बिना पहचान पत्र के 2,000 के नोट बदलने का मामला पहुंचा हाई कोर्ट

नई दिल्ली। 2,000 के नोट क्रमिक रूप से बंद करने का मामला अब दिल्ली हाई कोर्ट तक पहुंच चुका है। याचिका में बिना आईडी प्रूफ के नोट बदलने की भारतीय रिजर्व बैंक और भारतीय स्टेट बैंक की अधिसूचनाओं को चुनौती दी है। कोर्ट में दायर जनहित याचिका में कहा गया है कि बिना किसी मांग पर्ची और पहचान प्रमाण के दो हजार के नोटों को बदलने की अनुमति देना भारत के संविधान के अनुच्छेद 14 का उल्लंघन है। यह याचिका बीजेपी नेता और अधिवक्ता अश्विनी कुमार उपाध्याय ने याचिका दायर की। साथ ही आरबीआई और एसबीआई को यह सुनिश्चित करने के लिए निर्देश देने की मांग की कि 2,000

रुपये के बैंकनोट संबंधित बैंक खातों में ही जमा किए जाएं, ताकि कोई भी दूसरों के बैंक खातों और काले धन वाले लोगों में पैसा जमा न कर सके। आय से अधिक संपत्ति की आसानी से पहचान की जा सकती है। याचिका में यह भी कहा गया है कि वर्तमान में, भारत की कुल जनसंख्या 142 करोड़ है। परिवारों की कुल संख्या 30 करोड़ है। 130 करोड़ भारतीयों के पास आधार कार्ड है। यानी हर परिवार के पास 3-4 आधार कार्ड हैं। इसी तरह कुल खातों की संख्या 225 करोड़ है और उसमें से 48 करोड़ बीपीएल परिवारों के जनधन खाते हैं। इसका मतलब है कि हर परिवार के पास एक बैंक खाता है। हाल ही में केंद्र द्वारा घोषणा की गई थी कि हर परिवार के पास आधार कार्ड और बैंक खाता है। इसलिए, भारतीय रिजर्व बैंक को पहचान प्रमाण प्राप्त किए बिना 2,000 के नोट बदलने की अनुमति क्यों दी गई है? यहां यह बताना भी जरूरी है कि 80 करोड़ बीपीएल परिवारों को मुफ्त अनाज मिलता है। इसका मतलब है कि 80 करोड़ भारतीय शायद ही कभी 2,000 रुपए के नोट का इस्तेमाल करते हैं।

दून वैली मेल

संपादकीय

विपक्षी एकता के प्रयास

इन दिनों 2024 के चुनाव के मद्देनजर जहां भाजपा अभी से चुनावी तैयारियों में जुट चुकी है वही समूचा विपक्ष 2019 की तरह एक बार फिर संयुक्त मोर्चा बनाने के प्रयासों में लगा हुआ है। इससे एक बात तो साफ है कि विपक्ष के पास कोई एक दल ऐसा नहीं है जो भाजपा का मुकाबला कर सके न कोई एक नेता ऐसा है जो मोदी का मुकाबला कर सके। भले ही कांग्रेस अभी हाल में आय कर्नाटक और हिमाचल के चुनाव परिणामों को लेकर उत्साहित रही हो लेकिन राज्यों की विधानसभा के चुनाव और लोकसभा के चुनाव अलग-अलग होते हैं इस बात को अब देश के मतदाता भली प्रकार से जानते हैं यही कारण है कि भाजपा 2024 के चुनाव को लेकर निश्चिंत है जबकि विपक्षी दल असमंजस में है। यही कारण है कि राष्ट्रीय स्तर पर तमाम विपक्षी दलों द्वारा एक बार फिर इस बात के प्रयास किए जा रहे हैं कि वह एक मंच पर आए और मोदी और भाजपा को हराने के लिए मिलकर चुनाव लड़े। इस बीच उत्तराखंड में प्रदेश कांग्रेस द्वारा कल गैर भाजपा दलों की बैठक बुलाकर जिस तरह से एकजुट विपक्ष के प्रयास किए गए उसके पीछे कांग्रेस की रणनीति क्या है यह सिर्फ करन माहरा या वह कांग्रेसी नेता ही जान सकते हैं लेकिन इस बैठक से एक बात जरूर साफ हो गई है कि प्रदेश कांग्रेस बीते दो चुनाव में करारी हार के बाद अब आत्मविश्वास खो चुकी है और उसे भी अब यही लगने लगा है कि वह अकेले दम पर भाजपा को नहीं हरा सकती है। प्रदेश भाजपा के नेता कांग्रेस के इस प्रयास पर खूब चुटकी ले रहे हैं। लेकिन सवाल यह है कि भाजपा को यह मौका किसी और ने नहीं दिया है खुद कांग्रेस ने ही दिया है। जो कांग्रेसी नेता खुद अपनी पार्टी के नेताओं को एकजुट नहीं कर सकते वह सभी विपक्षी दलों के नेताओं को एकजुट करने की बात या दावा करेंगे तो लोग इस पर हसेंगे नहीं तो और क्या करेंगे? कांग्रेस के इस एकता के प्रयासों से जैसे बसपा ने स्वयं को राष्ट्रीय स्तर पर अलग रखा हुआ है वैसे ही उत्तराखंड में भी अलग रखा है। भले ही उत्तराखंड में अब सपा और बसपा तथा यूकेडी का कोई दबदबा नहीं रहा है या वजूद न रहा हो लेकिन ऐसा भी नहीं है कि उनका कुछ भी वोट प्रतिशत नहीं है। लेकिन कांग्रेस के साथ किसी तरह का राजनीतिक गठबंधन करने से इन तमाम दलों द्वारा जिस तरह से परहेज किया जा रहा है वह कांग्रेसियों के लिए एक बड़ा सबक है। राष्ट्रीय स्तर पर या फिर प्रांतीय स्तर पर आने वाले समय में विपक्षी एकता के यह प्रयास कितना रंग लाते हैं समय ही बताएगा। आज देश के लोगों के मन में एक सवाल जरूर है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लगातार तीसरी बार केंद्रीय सत्ता पर काबिज होने का वैसा करिश्मा कर पाएंगे जैसे देश के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू ने किया था या फिर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी पूर्व पीएम डॉ मनमोहन सिंह की तरह अपनी दो पालिया पूरी कर पूर्व पीएम की सूची में शामिल हो जाएंगे। हालांकि स्थितियों और परिस्थितियों में आए बदलाव तथा मोदी और डॉ. सिंह के कृतित्व व व्यक्तित्व में कोई समानता नहीं है। डॉ. सिंह को भले ही मिस्टर क्लीन कहा जाता हो लेकिन उनके कार्यकाल में उनके मंत्रियों के नाम कई बड़े भ्रष्टाचार भी रहे हैं वही पीएम मोदी के समय में तमाम भ्रष्टाचार के मामलों की गूंज संसद से सड़कों तक सुनाई देती रही हो। यही नहीं मनरेगा जैसी योजनाओं जिसने 27 करोड़ गरीबों को गरीबी से बाहर लाने का काम किया तथा डायरेक्ट कैश ट्रांसफर की योजनाएं भी कांग्रेस ने ही शुरू की लेकिन इनका प्रचार प्रसार कांग्रेस भाजपा की तरह कभी नहीं कर सकी। न ही डॉ. सिंह मोदी की तरह चुनावी भाषण दे सके और न चुनाव में उनकी सक्रियता मोदी जैसी रही। देखना होगा कि 2024 में देश की राजनीति कैसा इतिहास रचती है और विपक्षी एकता क्या कुछ गुल खिलाती है?

दो चोर गिरफ्तार, माल बरामद

हरिद्वार (हसं)। चोरी के मामले का मात्र 24 घंटो में खुलासा करते हुए पुलिस ने दो शातिरों को चोरी के माल व घटना में प्रयुक्त यूटीलिटी वाहन सहित गिरफ्तार कर लिया है।

जानकारी के अनुसार अज्ञात चोरों द्वारा लोहे के गेट चोरी करने सम्बन्धित प्रकरण में थाना झबरेड़ा में दिनांक 20 मई को मुकदमा दर्ज कराया गया था। इस मामले में पुलिस चोरों की तलाश में जुटी हुई थी। जिन्हे एक सूचना के बाद पुलिस ने घटना में प्रयुक्त वाहन (यूटिलिटी योद्धा) व चोरी किए गए माल के साथ गिरफ्तार कर लिया है। पूछताछ में उन्होने अपना नाम सन्नवर पुत्र शहीद व अंकित पुत्र इंद्रपाल निवासी राजापुर थाना फतेहपुर जिला सहारनपुर बताया।

आ नो विश्वेषां रसं मध्वः सिञ्चन्त्वद्रयः।
ये परावति सुन्विरे जनेष्वा ये अर्वावतीन्दवः॥

(ऋग्वेद ८-५३-३)

सोमगुण से युक्त संत चाहे दूर हो या समीप हो वो जीवन के सारभूत ज्ञान के सोमरस की वर्षा हमारे अंत:करण में करें। जिससे हमें ज्ञान हो और हम अपने जीवन के लक्ष्य को प्राप्त कर सके।

The saints with Som Guna can be far or near, but they shower Som Ras with the facts of the knowledge of life in our hearts. So that we can gain knowledge and achieve the goal of our lives.(Rig Ved 8-53-3)

गंगोत्री में समुद्रतल से 3140 मीटर की ऊंचाई पर गंगा के किनारों पर वृहद स्वच्छता अभियान चलाया

लोकेंद्र सिंह बिष्ट

उत्तरकाशी। एक बार फिर से मां गंगा के धाम गंगोत्री में जिला अधिकारी अभिषेक रुहेला वा गंगा विचार मंच के प्रांत संयोजक लोकेंद्र सिंह बिष्ट , जिला प्रशासन, नगर पंचायत गंगोत्री, आईटीबीपी , मंदिर समिति गंगोत्री के नेतृत्व में वृहद गंगा स्वच्छता अभियान चलाया गया। बताते चलें कि भारत सरकार के राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन, जलशक्ति मंत्रालय द्वारा 3 मई से 5 जून विश्व पर्यावरण दिवस तक राष्ट्रीय नदी मां गंगा एवम इसकी सहायक नदियों की स्वच्छता एवम संरक्षण के प्रति जनमानस में व्यापक जागरूकता के दृष्टिगत बड़े पैमाने पर समूचे देश की नदियों के किनारों पर जन आंदोलन/आउटरीच गतिविधियों के तहत मिशन लाइफ अभियान के तहत मां गंगा के उदगम गंगोत्री में समुद्रतल से 3140 मीटर की ऊंचाई पर आज मां गंगा जी के किनारों पर वृहद स्वच्छता अभियान चलाया गया। गंगा विचार मंच के प्रांत संयोजक लोकेंद्र सिंह बिष्ट ने कहा कि प्रयास करना और जागरूक करना हम सबकी जिम्मेदारी है। नहीं थकेंगे स्वच्छ करेंगे।

बिष्ट ने बताया कि हर हर गंगे नमामि गंगे के नारों के साथ 22 अप्रैल से कपाट खुलने के दिन से आज 20 मई तक इन तीस दिनों में गंगा विचार मंच उत्तराखण्ड ने गंगोत्री धाम में पांचवी बार वृहद गंगा स्वच्छता अभियान चलाया है। इस अभियान के तहत आज 20 बोरे नए पुराने वस्त्र, चूड़ी बिंदी लिपिस्टिक वा प्लास्टिक कूड़ा एकत्रित किया। आज के अभियान में जिलाधिकारी अभिषेक रुहेला ने कहा कि श्रद्धालुओं को मां गंगा जी में नए वा पुराने वस्त्र न बहाने वा एन चढ़ाने की अपील के साथ नगर पंचायत गंगोत्री रोजाना गंगा जी में चढ़ाए गए वस्त्रों को एकत्रित करता है। भारत सरकार के जलशक्ति मंत्रालय राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन के महा अभियान मिशन लाइफ अभियान के तहत आज वृहद गंगा स्वच्छता अभियान में सीडीओ गौरव सिंघल, एसडीएम चतर सिंह चौहान, गंगोत्री मंदिर समिति के अध्यक्ष रावल हरीश सेमवाल, सचिव सुरेश सेमवाल, उपाध्यक्ष रावल दिनेश सेमवाल अधिशासी अधिकारी नगर पंचायत गंगोत्री कुसुम राणा, तहसीलदार आदि जिला प्रशासन वा गंगा विचार मंच के कार्यकर्ताओं ने स्वच्छता अभियान में हिस्सा लिया। मां गंगा के तट गंगोत्री में डीएम अभिषेक रुहेला वा गंगा विचार मंच के प्रांत संयोजक लोकेंद्र सिंह बिष्ट ने गंगा स्वच्छता अभियान में शामिल सभी कार्यकर्ताओं को मिशन लाइफ अभियान में तय गंगा स्वच्छता शपथ दिलवाई।

चिपको आन्दोलन के प्रणेता सुन्दरलाल बहुगुणा को श्रद्धासुमन अर्पित किए

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। पद्मश्री पर्यावरणविद स्वतंत्रता संग्राम सेनानी सुन्दरलाल बहुगुणा की दूसरी पुण्यतिथी पर टाउनहाल देहरादून मे आयोजित समारोह मे दून की सामाजिक संस्थाओ के प्रतिनिधियो की ओर से भी चिपको आन्दोलन के प्रणेता को श्रद्धासुमन अर्पित किए गये।इनमे संयुक्त नागरिक संगठन के अध्यक्ष ब्रिगेडियर केजीबहल,एडवोकेट बीपी नौटियाल, स्वतंत्रता सेनानी उत्तराधिकारी कल्याण समित के शक्ति प्रसाद डिमरी, मुकेशनारायण शर्मा, सुशील त्यागी, डा. एमआर सकलानी,आरटीआई क्लब के यज्ञभूषण शर्मा, गवरमैंट पैंशनरस संगठन के चौ.ओमवीरसिंह,आरटीआई क्लब के

यज्ञभूषण शर्मा,सोशल जस्टिस की आशा टम्टा,पर्यावरणविद जगदीश बावला,डा. शैलेन्द्र कौशिक,उत्तराखंड आन्दोलनकारी मंच के प्रदीप कुकरेती,जगमोहन सिंह नेगी,डा.अरूण शर्मा,रविन्द्र जुगरान,एडवोकेट बीपी नौटियाल,बिशमभरनाथ बजाज आदि भारी संख्या मे गणमान्य लोग शामिल थे।मुख्य वकताओ मे पद्मश्री रविचोपडा,पद्मश्री कल्याण सिंह रावत,मेघा पाटकर, सुरेशभाई, विमला बहुगुणा, राजीव नयन बहुगुणा आदि थे।

संचालन हिमालय बचाओ आंदोलन के समीर रतूड़ी ने किया।इस अवसर पर वकताओ ने पर्यावरण के संरक्षण मे दिवंगत बहुगुणा जी के आदर्शो और कार्यो से प्रेरणा लेने का आह्वान किया।

हिमाद्री इम्पोरियम आउटलेट का शुभारंभ

कार्यालय संवाददाता

रुद्रप्रयाग। स्थानीय स्तर पर उत्पादित होने वाले उत्पादों की बिक्री हेतु उचित स्थान उपलब्ध कराए जाने तथा राष्ट्रीय स्तर पर जनपद में उत्पादित उत्पादों को एक उचित पहचान उपलब्ध कराए जाने के उद्देश्य से जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने आज रुद्रा कॉम्पलेक्स जीएमवीएन परिसर में अवस्थित उद्योग विभाग, कृषि विभाग एवं ग्राम्य विकास विभाग के संयुक्त तत्वाधान में संचालित हिमाद्री इम्पोरियम आउटलेट का शुभारंभ किया।

इस अवसर पर जिलाधिकारी ने कहा कि जनपद में स्थानीय स्तर पर उत्पादित होने वाले उत्पादों को एक उचित पहचान उपलब्ध कराए जाने तथा उनकी बिक्री कराए जाने के उद्देश्य से उद्योग, कृषि एवं ग्राम्य विकास विभाग के संयुक्त तत्वाधान में संचालित हिमाद्री इम्पोरियम आउटलेट का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि जीएमवीएन रुद्रा कांपलेक्स शहर के बीचों बीच है तथा जनपद में आने वाले तीर्थ यात्रियों को स्थानीय स्तर एवं उत्तराखंड के अन्य स्थानों पर उत्पादित होने वाले उत्पादों को यहां उपलब्ध कराया गया है जिससे यहां आने वाले तीर्थ यात्री यहां के स्थानीय उत्पादों को खरीद सकें जिससे कि महिला समूहों द्वारा तैयार उत्पादों की उचित बिक्री हो सकेगी तथा उनकी आजीविका में भी वृद्धि होगी। उन्होंने कहा कि हिमाद्री इम्पोरियम आउटलेट में स्थानीय स्तर पर उत्पादित होने वाले मोटे अनाज जिसमें झंगोरा, मंडुवा, चौलाई (रामदाना), बुरांश, माल्टा आदि जूस भी उपलब्ध होगा। इसके साथ ही केदारनाथ धाम सोविनियर तथा स्थानीय स्तर पर तैयार धूप, अगरबत्ती, रिंगाल आदि से तैयार उत्पाद बिक्री के लिए उपलब्ध होंगे जिससे कि यहां की महिलाओं एवं युवाओं को रोजगार के अवसर भी उपलब्ध होंगे।

इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी नरेश कुमार, महाप्रबंधक जिला उद्योग एचसी हटवाल, मुख्य कृषि अधिकारी लोकेंद्र सिंह बिष्ट, जिला पर्यटन अधिकारी राहुल चौबे, जिला परियोजना प्रबंधक ग्रामीण उद्यम वेग वृद्धि परियोजना बीके भट्ट सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

येदियुरप्पा की शरण में जाएगी भाजपा!

ऐसा लग रहा है कि भारतीय जनता पार्टी को एक बार फिर बीएस येदियुरप्पा की शरण में जाना होगा। पार्टी को अंदाजा हो गया है कि उनके बिना चुनाव जीतना मुश्किल है। अगले साल लोकसभा के चुनाव हैं और उससे पहले पार्टी कोई जोखिम नहीं लेना चाहती है क्योंकि राज्य की 28 में से 26 सीटें भाजपा के पास हैं। कर्नाटक के चुनाव नतीजे आने के बाद उसके विश्लेषण से येदियुरप्पा का महत्व प्रमाणित हुआ है। वे 2013 में भाजपा छोड़ कर चले गए थे और कर्नाटक जनता पार्टी बना कर अलग चुनाव लड़े थे। उस समय उनको 10 फीसदी वोट मिले थे और उनकी पार्टी सिर्फ छह सीटें जीत पाई थी। लेकिन उन्होंने सीधे सीधे 28 सीटों पर भाजपा को चुनाव हरवा दिया था।

इस बार वे पार्टी में थे लेकिन उनको मुख्यमंत्री पद से हटा दिया गया था और वे बहुत सक्रिय प्रचार नहीं कर रहे थे, तब भी बिल्कुल वैसी ही हुआ है, जैसा 2013 में हुआ था। इस बार भी लिंगायत असर वाले यानी येदियुरप्पा के असर वाले क्षेत्रों में 25 सीटों पर भाजपा हारी है। लिंगायत असर वाली 113 सीटों में से भाजपा को सिर्फ 31 सीटें मिली हैं, जबकि पिछली बार उसने 56 सीटों पर जीत हासिल की थी। दूसरी ओर इस क्षेत्र में कांग्रेस को 22 सीटों का फायदा हुआ है। उसकी सीटों की संख्या 56 से बढ़ कर 78 हो गई है।

येदियुरप्पा का महत्व और भी तरह से प्रमाणित हुआ है। राज्य की चिकमगलूर सीट पर भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव सीटी रवि हार गए हैं। येदियुरप्पा उनसे नाराज थे और उनके प्रचार में नहीं गए थे। माना जा रहा है कि उन्होंने ही रवि को हरवाया। ध्यान रहे टिकट बंटवारे के समय येदियुरप्पा और उनके बेटे बीवाई विजयेंद्र को लेकर सीटी रवि ने एक बेहद तीखे बयान में कहा था कि भाजपा की टिकट किसी के किचेन में तय नहीं होगी और टिकट इस आधार पर नहीं मिलेगा कि कोई किसी का बेटा है। इसके बाद से ही चार बार के विधायक रवि की हार तय मानी जा रही थी। रवि को कांग्रेस के थमैया ने हराया, जो पहले येदियुरप्पा के करीबी नेता थे।

इसी तरह हावेरी की एक सीट पर येदियुरप्पा के करीबी यूबी बानकर ने राज्य के कृषि मंत्री बीसी पाटिल को हराया। राज्य सरकार के वरिष्ठ मंत्री और लिंगायत समुदाय के नेता वी सोमन्ना चामराजनगर सीट पर हार गए और हारने के बाद येदियुरप्पा पर हमला करते हुए कहा कि उनसे पूछा जाना चाहिए कि लिंगायत वोट क्यों बंटा। कुल मिला कर येदियुरप्पा के करीबी 25 ऐसे नेता हैं, जो इस बार दूसरी पार्टियों से चुनाव जीते हैं। भ्रष्टाचार के आरोप में पकड़े गए भाजपा विधायक मदल विरूपक्षपा के बेटे को भाजपा ने टिकट नहीं दिया था। वे चन्नागिरी सीट पर निर्दलीय लड़े थे और 16 हजार वोट से हारे। लेकिन उस सीट पर भाजपा तीसरे स्थान पर रही। बताया जा रहा है कि येदियुरप्पा ने उनकी मदद की। बहरहाल, येदियुरप्पा के करीबी 25 विधायक इस बार दूसरी पार्टियों से चुनाव जीते हैं और कई करीबी नेता दूसरी पार्टियों में जाकर मामूली अंतर से हारे हैं, जिनमें एक एमपी कुमारस्वामी भी हैं, जो जेडीएस से लड़े थे और 772 वोट से चुनाव हार गए। (आरएनएस)

जब ब्रिटेन में यह हाल

गिग कर्मी हमेशा अपने काम से संबंधित असुरक्षा और अन्य चिंताओं से ग्रस्त रहते हैँ। जिस महंगाई आसमान पर है, इस समूह के कर्मचारी खास तौर पर बेहद कमजोर स्थिति में पहुंच गए हैँ।

ब्रिटेन में गिग वर्करों पर हुए एक अध्ययन से अर्थव्यवस्था के इस क्षेत्र में काम करने वाले श्रमिकों की जैसी दुर्दशा सामने आई है, उससे सहज अंदाजा लगाया जा सकता है कि भारत में इन वर्करों का क्या हाल होगा। इसलिए इसमें कोई हैरत नहीं है कि ब्लिंकिट कंपनी के कर्मियों को हाल में संघर्ष पर उतरना पड़ा था या कुछ समय पहले गुड़गांव में अर्बन कंपनी की महिला कर्मियों को मोर्चाबंदी करनी पड़ी थी। ताजा अध्ययन रिपोर्टे के निष्कर्षों पर गौर कीजिए: ब्रिटेन में आधे से ज्यादा गिग वर्कर न्यूनतम मजदूरी से कम मेहताने पर काम कर रहे हैं। उनके कामकाज के घंटे इतने अधिक हैं कि उन्हें अपनी निजी सुरक्षा खतरे में पड़ी मालूम पड़ती है। गुजरे वर्षों के दौरान दुनिया भर गिग वर्क का नया चलन आया है। इन कर्मियों में खाना डिलवरी या अन्य होम डिलिवरी करने वाले कर्मी, ऐप से चलने वाली कंपनियों के तहत टैक्सी चलाने वाले ड्राइवर, डेटा एंट्री कर्मी आदि शामिल हैं। जिन कंपनियों के लिए ये लोग काम करते हैं, वे उन्हें कर्मचारी का दर्जा नहीं देतीं। बल्कि इन्हें पार्टनर या सेल्फ इम्पलॉयड बताती हैँ।

ब्रिटेन में यूनिवर्सिटी ऑफ ब्रिस्टॉल के अध्ययन के दौरान गिग वर्करों से अपनी कमाई और कामकाज की स्थितियों के बारे में बताया। उनमें से 52 प्रतिशत ने जो आमदनी बताई, वह ब्रिटेन में तय न्यूनतम वेतन से कम है। ब्रिटेन में न्यूनतम वेतन 9.50 पाउंड प्रति घंटे है। जबकि इन कर्मियों की औसत प्रति घंटे आमदनी 8.97 पाउंड ही है। लगभग तीन चौथाई कर्मियों ने कहा कि वे अपने काम से संबंधित असुरक्षा और अन्य चिंताओं से ग्रस्त रहते हैँ। जिस समय भोजन, ईंधन और मकान का खर्च बढ़ता जा रहा है, इस समूह के कर्मचारी खास तौर पर कमजोर स्थिति में पहुंच गए हैँ।

तो जाहिर है कि ऐसे कर्मियों को सबसे पहले वेतनभोगी कर्मचारी का दर्जा देने की जरूरत है। इसके साथ ही न्यूनतम वेतन की गारंटी करने, अवकाश और बीमारी के दौरान छुट्टी आदि की व्यवस्था जरूरी है। उन्हें अनुचित ढंग से जब चाहे काम से हटा देने के जारी चलन पर रोक लगनी चाहिए। ऐसा दुनिया में हर जगह होना चाहिए।(आरएनएस)

जुकिनी को बनाएं डेली डायट का हिस्सा

जुकिनी एक ऐसी सब्जी है जो फाइबर और न्यूट्रिशंस से भरी हुई होती है। खासतौर पर गर्मी के मौसम में होनेवाली सेहत संबंधी कई समस्याओं से हमें बचाने के लिए इसमें सभी जरूरी पोषक तत्व मौजूद होते हैं। जुकिनी एक तरह की तोरी ही होती है लेकिन इसका रंग, आकार और बाहरी छिलका कद्दू जैसा होता है। साथ ही जुकिनी आमतौर पर हरे और पीले रंग की होती है।

इसके हैं कई नाम

-जुकिनी को तोरी, तुरई और नेनुआ जैसे नामों से भी जाना जाता है। हालांकि तुरई का अंग्रेजी नाम भी जुकिनी ही है। तुरई कई तरह की होती हैं, जिन्हें आम भाषा में मोटे छिलके की तोरी, पतले छिलके की तोरी और जुकिनी या मोटी तुरई कहते हैं।

जवां बनाए रखती है जुकिनी

-जुकिनी ऐंटिऑक्सीडेंट्स से भरपूर होती है। इसलिए यह हमारी त्वचा पर हमारी उम्र के कारण होनेवाले दाग-धब्बे और फाइन लाइन्स का असर नहीं होने देती। साथ ही त्वचा में झुर्रियां होने से भी रोकती है।

आंखों की दिक्कत से बचाए

-गर्मी के मौसम में आमतौर पर आंखों में दो कारण से ही ड्राइनेस होती है। एक तो गर्म हवाओं के कारण बढ़ती खुश्की यानी रुखेपन से और दूसरे शरीर में होनेवाली पानी की कमी से।

-जुकिनी में 80 से 90 प्रतिशत तक पानी होता है। इसलिए यह सब्जी शरीर में पानी का स्तर बनाए रखने में मदद करती है। यानी शरीर को हाइड्रेट रखती है।

-जुकिनी आंखों के लिए इसलिए भी लाभदायक होती है क्योंकि यह अन्य न्यूट्रिऐंट्स के साथ ही विटमिन-ए से भी भरपूर होती है। विटमिन-ए हमारे शरीर में रुखापन नहीं आने देता और सूजन को रोकता है। यानी आंखें ड्राईनेस और पफीनेस दोनों से बची रहती हैं।

इन रोगों में है लाभकारी

जुकिनी हमारे शरीर में गर्मी के कारण होनेवाले रूखेपन को रोकने के साथ ही हमारी हड्डियों को मजबूत रखने, बीपी को नियंत्रित रखने, ब्लड फ्लो को बनाए रखने और टाइप-2 डायबीटीज जैसी बीमारियों को रोकने में मदद करती है...

डाबीटीज से ऐसे बचाती है

जुकिनी में स्टार्च ना के बराबर होता है और यह फाइबर से भरपूर होती है। ऐसे में अगर इसका सेवन अपनी डेली डायट में किया जाए तो यह टाइप-2 डायबीटीज का शिकार होने से हमें बचाती है।

बीपी बढ़ने से रोकती है

हाई बीपी की बीमारी से बचाए रखने और यदि किसी को यह बीमारी है तो उसकी तकलीफें बढ़ने से रोकने का काम भी जुकिनी करती है। क्योंकि यह सब्जी पोटैशियम से भरपूर होती है। पोटैशियम हमारी रक्त धमनियों यानी ब्लड वैसल्स को क्लीन और चौड़ा रखने का काम करता है। इससे बॉडी में ब्लड फ्लो को नियंत्रित करने में मदद मिलती है।

पाचन तंत्र को सही रखती है

पाचन तंत्र को सही रखने के लिए फाइबर युक्त डायट बहुत जरूरी होती है। जुकिनी में फाइबर भरपूर मात्रा में होता है। इस कारण यह अपच, गैस और खट्टी डकारों की समस्या से हमें बचाती है।

हड्डियों को मजबूत करती है

जुकिनी में मौजूद ऐंटिऑक्सीडेंट्स, मैग्नीशियम और विटमिन-के जैसी खूबियां। मैग्नीशियम और विटमिन-के हमारी हड्डियों को मजबूत बनाए रखने के लिए जरूरी होते हैं। इसके अलावा मैग्नीशियम और ऐंटिऑक्सीडेंट्स हमारी मांसपेशियों को कमजोर होने से रोकते हैं।

मोटापा बढ़ने से रोकती है

यह हमारे शरीर में एक्स्ट्रा फैट को जमा होने से भी रोकती है। क्योंकि फाइबर को पचाने में बहुत अधिक वक्त लगता है जबकि ऊर्जा लगातार मिलती है। इसलिए हम गैर जरूरी चीजें खाने से बच जाते हैं। यानी नो क्रेविंग।

कोलेस्ट्रॉल को नियंत्रित रखती है

यह कोलेस्ट्रॉल को नियंत्रित करने में भी मददगार है। क्योंकि इसमें हाई सॉल्यूबल फाइबर होते हैं, जो कॉलेस्ट्रॉल के बढ़ते स्तर को नियंत्रित करने में महत्वपूर्ण रोल अदा करते हैं।

गर्मियों में घर पर बनाएं आइसक्रीम

गर्मियों में आइसक्रीम का सेवन न सिर्फ शरीर को ठंडक देता है, बल्कि इससे ताजगी भी महसूस होती है। हालांकि, बाजार में मिलने वाली आइसक्रीम में आर्टिफिशियल रंग और स्वाद का इस्तेमाल होता है। इस कारण उनका सेवन स्वास्थ्य के लिए ठीक नहीं होता है। ऐसे में आप घर पर ही ताजा फलों के इस्तेमाल से आइसक्रीम बना सकते हैं, जो स्वाद और स्वास्थ्य दोनों में बेहतरीन हैं। आइए इस तरह की 5 आइसक्रीम की रेसिपी जानते हैं।

तरबूज की आइसक्रीम

सबसे पहले एक ब्लेंडर में कटा हुआ तरबूज, दही, दूध, चीनी, इलायची पाउडर और चुटकी भर नमक डालकर अच्छे से ब्लेंड कर लें। इसके बाद इस मिश्रण को आइसक्रीम के सांचे में डालकर उसके बीच में एक डंडी लगाएं और फिर इसे करीब 5 घंटे के लिए फ्रिज में रख दें। जब आइसक्रीम अच्छे से जम जाए तो इसके स्वाद का आनंद लें। आप गर्मियों में तरबूज से बने इन व्यंजनों को भी ट्राई कर सकते हैं।

आम की आइक्रीम

सबसे पहले एक ब्लेंडर में कटे हुए पके आम, दूध, चीनी (स्वादानुसार) और इलायची पाउडर डालकर अच्छे से ब्लेंड कर लें। इसके बाद इस मिश्रण को आइसक्रीम के सांचे में डालकर बीच में एक डंडी लगाएं और फिर इसे 5 घंटे के लिए फ्रिज में रख दें। अगर आपको आइसक्रीम पसंद नहीं है तो घर पर ये 5 मोजितो बनाकर भी पी सकते हैं।

खीरे और पुदीने की आइसक्रीम

इस आइसक्रीम को बनाने के लिए सबसे पहले एक ब्लेंडर में खीरा (कटा हुआ), नींबू का रस, चीनी और कुछ ताजा पुदीने की पत्तियां डालकर ब्लेंड करें। अब इस मिश्रण को आइसक्रीम के सांचे में डालकर उसके बीच में एक डंडी लगाएं और फिर इसे रातभर के लिए फ्रिज में रख दें। यह आइसक्रीम दोपहर के समय खाने के लिए एकदम परफेक्ट है। इसका स्वाद भी आपको अलग अहसास देगा।

बेरीज आइसक्रीम

ब्लूबेरी, स्ट्रॉबेरी और ब्लैकबेरी जैसी रसीली और स्वादिष्ट बेरीज पोषक तत्वों से भरपूर होती हैं। ऐसे में इनसे बनी आइसक्रीम का सेवन गर्मियों के लिए बेहतरीन है। सबसे पहले एक ब्लेंडर में ब्लूबेरी, स्ट्रॉबेरी, ब्लैकबेरी, नींबू का रस और चीनी डालकर अच्छी तरह से ब्लेंड करें। अब मिश्रण को आइसक्रीम के सांचे में डालकर उसके बीच में एक डंडी लगाएं और फिर इसे करीब 8 घंटे के लिए फ्रिज में रख दें। आइसक्रीम के जमने के बाद उसका स्वाद लें।

ब्लूबेरी और नारियल की आइसक्रीम

सबसे पहले एक सॉस पैन में ताजा ब्लूबेरी, मेपल सिरप और पानी डालकर अच्छी तरह से पका लें और फिर इसे ठंडा होने दें। अब नारियल के दूध को बादाम के दूध और मेपल सिरप के साथ मिलाकर फेंटें। इसके बाद आधे आइसक्रीम के सांचे में ब्लूबेरी का मिश्रण डालें और फिर बाकी के आधे में नारियल के दूध वाला मिश्रण डाल दें। अंत में इस सांचे के बीच में डंडी लगाकर इसे रातभर के लिए फ्रीज में रख दें। (आरएनएस)

इस मोर्चाबंदी से सावधान

चीन-पाकिस्तान की सैन्य रणनीति में समरूपता बैठाने की कोशिशों के बीच अब टू फ्रंट वॉर की बात बेमायने हो गई है। कभी युद्ध की नौबत आई, तो भारत के सामने कश्मीर से लेकर अरुणाचल प्रदेश तक एक ही मोर्चा होगा।

कई रक्षा विशेषज्ञ इस बात की चर्चा करते रहे हैं कि 5 अगस्त 2019 (जिस दिन भारत सरकार ने कश्मीर के लिए धारा 370 रद्द की और राज्य को दो केंद्र शासित प्रदेशों में बांट दिया) के बाद का एक प्रमुख घटनाक्रम चीन और पाकिस्तान के बीच सैन्य संबंधों में आई निकटता है। दोनों देशों की सैन्य रणनीति और तैयारियों में समरूपता बैठाने की कोशिशों के बीच इन विशेषज्ञों की राय रही है कि अब भारत में टू फ्रंट वॉर की बात बेमायने हो गई है। टू फ्रंट वॉर का मतलब एक साथ चीन और पाकिस्तान दोनों के मोर्चों पर युद्ध होने से था। बल्कि अब सूरत यह है कि चीन और पाकिस्तान ने समान मोर्चा बना लिया है। इसलिए जब कभी युद्ध की नौबत आई, तो भारत के सामने कश्मीर से लद्दाख होते हुए अरुणाचल प्रदेश तक एक ही मोर्चा होगा। इस हफ्ते पाकिस्तान के नौ सेनाध्यक्ष की हुई बीजिंग यात्रा से इस आकलन की एक तरह से पुष्टि होती नजर आई है। वहां चीन के रक्षा मंत्री ली शांगफू ने पाकिस्तान के नौ सेनाध्यक्ष से कहा कि दोनों देशों की नौ सेनाओं सहित तमाम सेनाओं को 'नए क्षेत्रों में सहयोग का विस्तार' करना चाहिए, ताकि 'इस क्षेत्र को सुरक्षित रखने' की अपनी साझा क्षमता को वे बढ़ा सकें। ली ने कहा कि चीन और पाकिस्तान के द्विपक्षीय रिश्तों में सैन्य संबंध का सबसे प्रमुख स्थान है। उनकी यह टिप्पणी गौरतलब है- 'दोनों देशों की सेनाओं को अपने आदान-प्रदान को नए क्षेत्रों तक बढ़ाना चाहिए। उन्हें सहयोग को एक नई ऊंचाई देनी चाहिए, जिससे तमाम तरह की चुनौतियों और खतरों का मुकाबला करने की उनकी क्षमता बढ़े और वे मिल कर दोनों देशों और इस क्षेत्र में अपने सुरक्षा हितों को बरकरार रख सकें।' पाकिस्तान के नौ सेनाध्यक्ष अमजद खान नियाजी की इस चीन यात्रा से पहले चीन के सेंट्रल मिलिटरी कमीशन के उपाध्यक्ष झांग यूशिया ने कहा था कि चीनी सेना पाकिस्तान की सेना के साथ अपने संबंध को अधिक गहरा और अधिक विस्तृत करना चाहती है। यह चर्चा भी जोरों पर है कि चीन पाकिस्तान के ग्वादार में बने बंदरगाह पर अपनी सेना तैनात करना चाहता है।(आरएनएस)

चीन के पसरते पांव

अफगानिस्तान से भारत के गहरे हित जुड़े रहे हैं। अब तालिबान के शासनकाल में वह चीन के खेमे में जा रहा है, तो भारत के भू-राजनीतिक समीकरणों के लिए इसका दूरगामी असर हो असर हो सकता है।

चीन ने अपनी मध्यस्थता कूटनीति को और आगे बढ़ाया है। उसका दावा है कि इस्लामाबाद में चीन, अफगानिस्तान और पाकिस्तान के विदेश मंत्रियों की हुई बातचीत से त्रिपक्षीय सहयोग का एक खाका तैयार हुआ है। इस घटनाक्रम पर भारत को अवश्य नजर रखनी चाहिए। अफगानिस्तान से भारत के गहरे हित जुड़े रहे हैं। अब तालिबान के शासनकाल में वह चीन के खेमे में जा रहा है, तो भारत के भू-राजनीतिक समीकरणों के लिए इसका दूरगामी असर हो असर हो सकता है। इसके साथ ही इस खबर पर भी गौर करना चाहिए कि अगले 18 और 19 मई को चीन-मध्य एशिया शिखर वार्ता आयोजित होगी। उसमें चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ ताजिकिस्तान, उज्बेकिस्तान, तुर्कमेनिस्तान, कजाखस्तान और किर्गिजिस्तान के राष्ट्रपति भाग लेंगे। ये सारे देश चीन की बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव परियोजना का हिस्सा हैं। अफगानिस्तान के भी इसमें शामिल होने के संकेत हैं। ऐसे में पाकिस्तान से होकर पूरे मध्य एशिया तक चीन की सीधी पहुंच बन जाएगी।

चीन के विदेश मंत्री चिन गांग गोवा में शंघाई सहयोग संगठन के शिखर सम्मेलन में भाग लेने के बाद सीधे इस्लामाबाद पहुंचे। वहां उन्होंने कश्मीर पर पाकिस्तान के रुख का समर्थन किया। उसके बाद त्रिपक्षीय बैठक आयोजित की। ये सारे घटनाक्रम एक दूसरे से जुड़े नजर आते हैं। दरअसल, सऊदी अरब और ईरान में मेल कराने के बाद से चीन दुनिया में अपने को शांति दूत के रूप में पेश करने में जुटा हुआ है। यह उसकी व्यापक भू-राजनीतिक रणनीति का हिस्सा है। चीन ने अब पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच मेल-मिलाप कराने की पहल की है। इसी के तहत चीनी विदेश मंत्री ने अपनी पाकिस्तान यात्रा के दौरान अफगानिस्तान के विदेश मंत्री को भी वहां बुला लिया। चीन ने दावा किया है कि इसके साथ ही अफगानिस्तान-चीन-पाकिस्तान के बीच त्रिपक्षीय सहयोग की शुरुआत हो गई है। इससे इस पूरे क्षेत्र में स्थिरता आएगी। साथ ही अफगानिस्तान और पाकिस्तान में आपसी भरोसा बढ़ेगा, जिन्हें पिछले कुछ वर्षों में सीमा विवाद का सामना करना पड़ा है। उधर अफगानिस्तान और पाकिस्तान दोनों ने चीन की वैश्विक सुरक्षा पहल और वैश्विक विकास पहल में शामिल होने का संकल्प जता दिया है। (आरएनएस)

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

-प्रबंधक विज्ञापन

तरबूज खाएं ही नहीं, चेहरे पर भी लगाएं!

गर्मी के दिनों में त्वचा का ख्याल रखना काफी जरूरी हो जाता है क्यों कि जब आपका शरीर डिहाइड्रेट होता है तब इसका सीधा असर चेहरे पर नजर आता है। स्किन डल होने के साथ काली पड़ जाती है। तरबूज का इस्तेमाल करके गर्मियों में होने वाली त्वचा से जुड़ी परेशानियों को दूर कर सकते हैं। तरबूज में फाइबर, पोटेशियम, आयरन, विटामिन बी, विटामिन सी, विटामिन ए, जैसे पोषक तत्व पाए जाते हैं। ये फल त्वचा के लिए एंटी ऑक्सीडेंट की तरह काम करते हैं। इन गुणों की वजह से स्किन इंफेक्शन ठीक हो जाता है। त्वचा हाइड्रेट होती है। जलन-सूजन की समस्या दूर होती है। त्वचा पर निखार आता है।आप तरबूज से बने फेस पैक को त्वचा पर अप्लाई करके सारी समस्याओं से छुटकारा पा सकते हैं।

तरबूज और दूध का फेस पैक : तरबूज के पल्प को निकाल लीजिए। अब इस पल्प में 2 चम्मच दूध मिलाएं। इसका एकअच्छा सा पेस्ट तैयार कर लीजिए। अब इसे पूरे चेहरे पर 20 मिनट तक लगाकर रखें, इसके बाद चेहरे को साफ कर ले। दूध त्वचा के लिए प्राकृतिक क्लींजर की तरह काम करेगा।

तरबूज चिलचिलाती गर्मी में त्वचा को हाइड्रेट रखने और ठंडक पहुंचाने में मदद करेगा। ये फेस पैक त्वचा में कसाव लाएगा और आपको जवां बनाने में मदद करेगा।

तरबूज और नींबू का फेस पैक : तरबूज का पल्प निकाल लीजिए। इसमें नींबू का रस मिलाकर इसका एक अच्छा सा मिश्रण बना लीजिए। अब इसे त्वचा पर 15 से 20 मिनट लगा रहने दीजिए। सके बाद त्वचा को साफ पानी से धो लीजिए। इस फेस पैक से त्वचा की डेड सेल को एक्सफोलिएट करने में मदद मिलेगी।

तरबूज और दही का फेस पैक : इस फेस पैक को बनाने के लिए दो चम्मच दही में एक चम्मच तरबूज का रस मिलाएं। इस पेस्ट को चेहरे पर15 से 20 तक लगाएं।

अब त्वचा को सादे पानी से साफ कर ले। गर्मी में सन डैमेज के कारण त्वचा मुरझा जाती है, इस फेस पैक को लगाने से त्वचा पर निखार आएगा। ड्राई स्किन और रैशेज की समस्या दूर होगी। (आरएनएस)

वीरता का मान

एक बार गुरु गोविंद सिंह जी औरंगजेब की सेना का मुकाबला करते हुए जंगलों में भटकने लगे। उनके अधिकांश सैनिक मारे जा चुके थे फिर भी उन्होंने औरंगजेब के आगे झुकना स्वीकार नहीं किया था। उन्हीं दिनों टहकन कवि की ख्याति सुनकर औरंगजेब ने उसे दरबार में बुलाया। कायदे के अनुसार उसने शहंशाह की शान में सिर झुकाने से पहले पगड़ी उतारकर छाती पर रख ली और सिर झुका दिया। औरंगजेब को कवि की इस हरकत पर बड़ा आश्चर्य हुआ। उसने टहकन से उसका कारण पूछा तो वह बड़ी नम्रता से बोले, 'महाराज इस पगड़ी पर लगी कलगी मेरी नहीं है, वीरों के वीर गुरु गोविंद सिंह जी की है। मेरा सिर व पगड़ी आपके सामने झुक सकती है पर यह कलगी नहीं झुक सकती।'

प्रस्तुति : विनय मोहन खारवन

शब्द सामर्थ्य -023

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. आय व्यय का लेखा-जोखा, गणित, एकाउंट 3. विनती, अदब 6. दृष्टांत, सुपुर्दगी, उदाहरण 7. मूल्यवान, बहुमूल्य 8. अच्छे ढंग में गाया जाने वाला सुंदर गीत 10. बराबर, सम 12. मुख, चेहरा 14. अनुकृति, अनुकरण, असल का विलोम 17. दिमाग, मस्तिष्क 18. मनोहर, सुंदर, इच्छित, प्यारा 19. गर्मी, ताप 21. रसिया, प्रेमी, रसपान करने वाला 23. दबाव, भार 24. भीख 25. काम से जी चुराने वाला, आलसी।

ऊपर से नीचे

1. साहस, वीरता, बहादुरी 2. बहिन, प्रवाहित होना 3. प्रणय क्रीडा, सुखोपभोग, हावभाव 4. विश्वास, प्रतीति 5. इंतजार 9. खाने-पीने का सामान, रसद 11. नशीला, मदभरा 12. घायल, जख्मी 13. झुकना, प्रणाम, नमस्कार 14. दृष्टि, निगाह 15. तीव्रइच्छा 16. अर्थ, अभिप्राय, स्वार्थ 20. इम्तिहान, योग्यता आदि को परखना 22. जुल्म, अन्याय 23. पत्नी, बीवी, एक प्रत्यय।

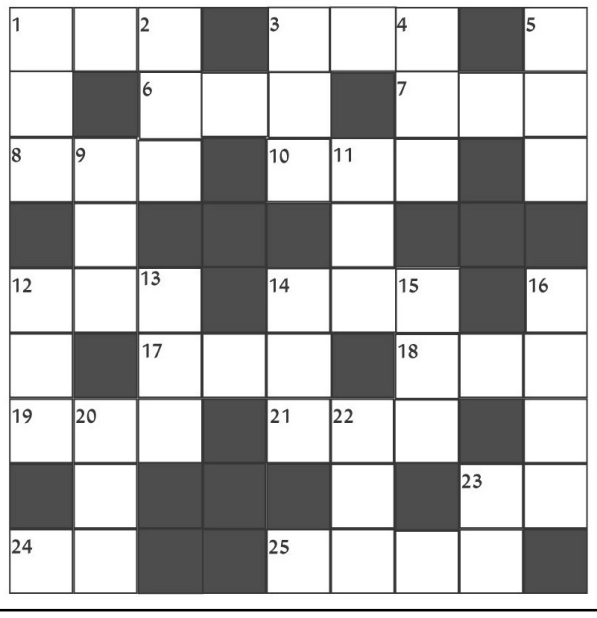

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 22 का हल

दा	ढ़ी		की		खा	सो	आ	म
वा		त	म	न्ना			जा	
न	जा	क	त		बा	अ	द	ब
ल		ली		वि	ला	प		हा
	अ	फ	सा	ना		मा	हि	र
दा	ब			श	गु	न		
न		उ	प	का	र		शि	
व		त्स		र		त	क	ला
	सा	व	न		गु	रु	वा	र

प्रियंका के सिटाडेल का रीमेक नहीं है वरुण सामंथा की सिटाडेल

सामंथा रुथ प्रभु जल्द ही प्राइम वीडियो की स्पाई थ्रिलर वेब सीरीज सिटाडेल के भारतीय संस्करण में नजर आएंगी। उनके साथ वरुण धवन भी नजर आएंगे। उनके प्रशंसकों में से एक ने सोचा कि क्या लोग भारतीय संस्करण देखेंगे, यह देखते हुए कि प्रियंका चोपड़ा का गढ़ पिछले महीने विभिन्न भारतीय भाषाओं में प्रीमियर हुआ था। सामंथा ने प्रशंसकों को याद दिलाया कि भारतीय संस्करण रीमेक नहीं है।

समांथा रुथ प्रभु ने प्रशंसक को याद दिलाया कि उनका शो प्रियंका चोपड़ा के इसी नाम के वेब शो का रीमेक नहीं है, बल्कि एक भारतीय संस्करण है।

सामंथा ने हाल ही में अपने बर्थडे सेलिब्रेशन की तस्वीरें पोस्ट की थी। पोस्ट के कमेंट सेक्शन में, उनके प्रशंसकों में से एक ने लिखा, मेरा एक सवाल है कि प्रियंका के शो सिटाडेल और आपका शो एक ही कहानी है ? मैं क्यों पूछ रहा हूं कि प्रियंका के सिटाडेल को सभी भारतीय भाषाओं में डब किया गया है ... इसलिए यदि आप भी इसी शो को बना रहे हैं तो भारतीय दर्शकों के लिए एक ही कहानी तो कई लोग पहले ही इसे देख चुके होंगे। मैं थोड़ा भ्रमित हूं ... क्या आप स्पष्ट कर सकते हैं कि यह वही है या अलग है?

समांथा ने टिप्पणी का जवाब देते हुए लिखा, यह रीमेक नहीं है ! सामंथा के एक अन्य प्रशंसक ने भी यह सब समझाया और लिखा, सिटाडेल मेन सीरीज में विभिन्न देशों में अलग-अलग स्पिन-ऑफ हैं। और स्पिन-ऑफ कास्टिंग में से एक में सामंथा और वरुण की जोड़ी है जो भारतीय स्पिन-ऑफ है। इसमें स्पेनिश है, इतालवी और मैक्सिकन स्पिन-ऑफ भी जो मुख्य श्रृंखला के समानांतर चलते हैं और मुख्य श्रृंखला के साथ बहुत कम या कोई विलय नहीं होता है। आशा है कि यह आपके प्रश्न को स्पष्ट करता है! सिटाडेल के भारतीय संस्करण को द फैमिली मैन निर्देशक-जोड़ी राज निदिमोरु और कृष्णा डीके निर्देशित कर रही है, जिनके साथ सामंथा ने द फैमिली मैन-2 में काम किया था।

विक्रम वेधा के ओटीटी रिलीज के बाद फैन्स ने की ऋतिक जमकर तारीफ

ऋतिक रोशन स्टारर विक्रम वेधा में वेधा द्वारा निभाया गया उनका किरदार यकीनन उनके बेस्ट प्रदर्शनों में से एक कहा जाता है और 2022 में अब तक का सबसे चर्चित प्रदर्शन भी था। ऐसे में इसमें कोई हैरानी की बात नहीं कि जब ये क्राइम ड्रामा ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज कर दी गई है, तो क्यों फिल्म को लेकर नेटिजेन्स के मध्य उत्साहित बातचीत का सिलसिला और भी तेजी से बढ़ रहा है। विक्रम वेधा में ऋतिक रोशन के दमदार प्रदर्शन को देखते हुए, सुपरस्टार के फैन्स ने डिजिटल प्लेटफॉर्म पर भी उनकी तारीफ की बाढ़ भी ला दी है।

इस मूवी के ओटीटी पर आने के साथ ही जहां कुछ यूजर्स ऋतिक को फिर से वेधा के रूप में देखने के अपने उत्साह के बारे में खुलकर बात करते हुए दिखाई दे रहे है, तो वहीं दूसरे उनके अलग-अलग शेड्स से काफी इम्प्रेस दिखाई दे रहे है। कुछ और लोगों ने पोस्ट किया कि कैसे पूरे परिवार ने भाषा से अंजान होने के उपरांत भी सिर्फ ऋतिक के लिए विक्रम वेधा को फिर से देखा गया है।

जबकि कुछ ने कहा है किया कि कैसे कई लोगों ने एक ही घर के भीतर अपने अलग-अलग डिवाइसेज पर मूवी देखी गई है। इसी के साथ ऋतिक रोशन के लिए तारीफ और सरहाना का सिलसिला जारी रहा क्योंकि उन्होंने वेधा के उनके कैरेक्टर को उनके करियर का सबसे अच्छा, अभिनय में एक मास्टर क्लास, उनके बेस्ट प्रदर्शन के रूप में संदर्भित भी कर दिया गया है।

पिंक बॉडीकॉन ड्रेस में अनुष्का सेन ने दिखाया ग्लैमरस अवतार

बालवीर फेम अनुष्का सेन हमेशा अपने स्टाइलिश लुक्स और बोल्ड फैशन स्टेटमेंट्स के कारण सोशल मीडिया पर लाइमलाइट पर रहती हैं। एक्ट्रेस जब भी अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनकी फोटोज पर जमकर प्यार बरसाते हैं। हाल ही में एक्ट्रेस ने लेटेस्ट फोटोशूट की कुछ ग्लैमरस तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर की हैं, जिसमें उनकी बला की खूबसूरती देख कर फैंस अपना दिल हार गए हैं। टीवी एक्ट्रेस अनुष्का सेन ने बेहद ही कम उम्र में लोगों के बीच अपनी दमदार एक्टिंग से खास पहचान बनाई है। हालांकि दर्शकों को उनका हर एक किरदार काफी पसंद भी आया।

बताते चले कि एक्ट्रेस देवों के देव महादेव, झासी की रानी जैसे हिट टीवी सीरीयल्स का भी हिस्सा रह चुकी हैं। इन दिनों एक्ट्रेस अनुष्का सेन अपने लेटेस्ट फोटोशूट से फैंस के बीच तबाही मचा रही हैं। अनुष्का सेन ने अपनी इन लेटेस्ट तस्वीरों में पिंक कलर का बॉडीकॉन ड्रेस पहना हुआ है, जिसमें वो जमकर अपना फिगर फ्लॉन्ट करती नजर आ रही हैं। बालों को खोल कर और साथ ही मिनिमल मेकअप कर के एक्ट्रेस अनुष्का सेन ने अपने इस आउटलुक को कंप्लीट किया है। एक्ट्रेस अनुष्का सेन अपने इस लुक में बेहद ही शानदार लग रही हैं और फैंस भी उनकी किलर लुक्स की तारीफ कर रहे हैं। एक यूजर ने एक्ट्रेस की इन तस्वीरों पर कॉमेंट करते हुए लिखा है- सो हॉट, तो वहीं दूसरे ने लिखा है- गॉर्जियस। बता दें कि एक्ट्रेस सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं और इंस्टाग्राम पर उनकी फैन फॉलोइंग लिस्ट भी काफी लंबी है।

शाहरुख की डॉन 3 पर चल रहा है काम

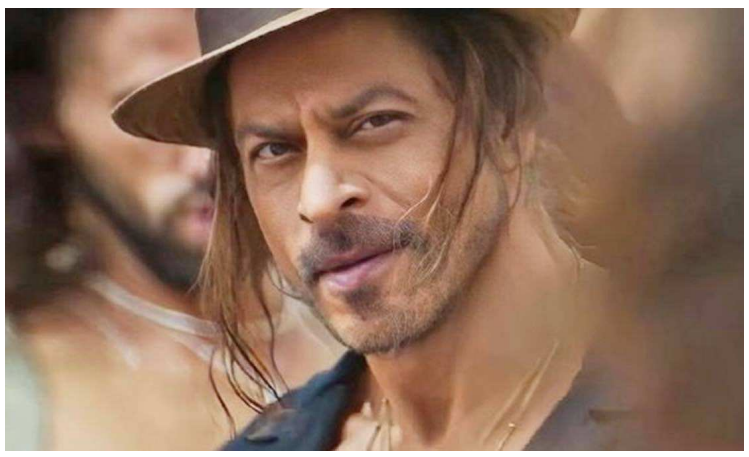

शाहरुख खान के प्रशंसकों को उनकी आने वाली फिल्मों का बेसब्री से इंतजार है। शाहरुख की सुपरहिट फिल्मों में शुमार डॉन की तीसरी किस्त डॉन 3 की राह तो वे लंबे समय से देख रहे थे। अब जो खबर आ रही है, उससे प्रशंसकों की खुशी का ठिकाना नहीं रहेगा। दरअसल, फिल्म फिर पटरी पर लौट आई है। इस पर काम चल रहा है। निर्माता रितेश सिधवानी ने खुद यह खुलासा किया है।

रितेश सिद्धवानी ने कहा, डॉन 3 पर काम चल रहा है। इसमें मेरे पार्टनर रहे फरहान अख्तर इसकी स्क्रिप्ट तैयार कर रहे हैं। इसका प्लॉट कैसा होगा और क्या होगा, अभी इस बारे में मुझे कुछ नहीं पता। जब तक कि फरहान स्क्रिप्टिंग का काम पूरी तरह से नहीं निपटा लेते, हम इस पर कुछ नहीं कहेंगे।

उन्होंने कहा, बस वह स्क्रिप्ट फाइनल करने ही वाले हैं। हम खुद डॉन का इंतजार कर रहे हैं।

फरहान ने अपने प्रोडक्शन हाउस एक्सेल एंटेरटेनमेंट के बैनर तले डॉन और डॉन 2 बनाई थी और उन्होंने ही इन दोनों फिल्मों के निर्देशन की कमान भी संभाली थी, वहीं रितेश ने फरहान के साथ मिलकर इन फिल्मों के प्रोडक्शन का काम संभाला था।

पठान की रिलीज से पहले डॉन 3 सोशल मीडिया पर ट्रेंड हुई थी। ट्रेड एनालिस्ट सुमित कड़ेल ने ट्वीट कर लिखा था, एक्सेल एंटरटेनमेंट बहुत बड़ा ऐलान करने वाला है। क्या आप सोच सकते हैं?ह्य इसके बाद यूजर्स ने डॉन 3 का नाम लेना शुरू कर दिया।. कुछ ने कहा कि अगर ये फिल्म आ जाए तो सपना पूरा हो जाए। सुमित ने अपने दूसरे ट्वीट में इशारा करते हुए कहा कि एक फ्रेंचाइजी का तीसरा भाग होगा।

डॉन फ्रैंचाइजी की पहली फिल्म 2006 में रिलीज हुई थी। इसमें शाहरुख के साथ प्रियंका चोपड़ा, अर्जुन रामपाल और ईशा कोप्पिकर जैसे कई कलाकार नजर आए थे। 38 करोड़ रुपये के बजट में बनी इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर 100 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार किया था। डॉन 2 2011 में दर्शकों के बीच आई थी। 76 करोड़ रुपये के बजट में बने फिल्म के दूसरे भाग ने 203 करोड़ रुपये से ज्यादा की कमाई की थी।

पठान के बाद एटली के निर्देशन में बनी जवान इस साल शाहरुख की रिलीज होने वाली दूसरी बड़ी फिल्म है। इसमें विजय सेतुपति और नयनतारा भी अहम भूमिका में हैं। राजकुमार हिरानी की फिल्म डंकी भी शाहरुख की बहुप्रतीक्षित फिल्मों में शुमार है। इसमें उनके साथ तापसी पन्नू नजर आएंगी।

शाहरुख को यशराज फिल्म्स की टाइगर वर्सेज पठान में देखा जाएगा, जिसमें उनके साथ सलमान खान नजर आएंगे। हालांकि, इससे पहले शाहरुख, सलमान के साथ फिल्म टाइगर 3 में दिखेंगे।

मुझे सच बोलने के लिए विवादास्पद करार दिया गया है :शर्लिन चोपड़ा

अभिनेत्री शर्लिन चोपड़ा का एक हिप-हॉप गीत आने वाला है, जो बॉलीवुड में उनकी विवादास्पद यात्रा के इर्द-गिर्द घूमता है। यह पूछे जाने पर कि क्या उन्हें विवादास्पद होने में मजा आता है, उन्होंने कहा: सच विवादास्पद होता है और इसलिए जब मैं सच बोलती हूं, तो मुझे विवादास्पद करार दिया जाता है ! मेरा आगामी रैप गीत उद्योग में मेरी रोलर-कोस्टर यात्रा के बारे में बहुत कुछ बताता है। इसलिए यह वास्तव में मेरे दिल के करीब है और मेरे लिए किसी भी अन्य प्रोजेक्ट से कहीं अधिक मायने रखता है।

गाने के विवरण के बारे में बात करते हुए, शर्लिन ने कहा कि यह मुंबई के बाहरी इलाके में फिल्माया गया है और यह तेज गति वाला और स्वैग वाला गाना है।

मुझे यकीन है कि यह विशेष रूप से युवाओं द्वारा बेहद पसंद किया जा रहा है! मैंने रैप गीत और इसके संगीत वीडियो में अपना दिल और आत्मा डाल दी है! मैंने इस गीत के लिए अच्छे शेप में रहने के लिए खूब वर्कआउट किया है। जल्द ही रिलीज होने वाले हिप-हॉप गाने के अलावा, शर्लिन तीन बैक-टू-बैक शॉर्ट फिल्में और एओटीटी प्लेटफॉर्म पर एक वेब-सीरीज में भी नजर आएंगी।

फिल्म द गेम ऑफ गिरगिट से जुड़ीं अदा शर्मा

अदा शर्मा इन दिनों अपनी फिल्म द केरल स्टोरी को लेकर चर्चा में बनी हुई है। एक्ट्रेस की इस फिल्म को लेकर काफी तारीफ हो रही है। साथ ही फिल्म में उनके अभिनय की भी खूब सराहना की गई है। वहीं, अब अदा शर्मा को लेकर एक और अपडेट सामने आया है।

दरअसल, द गेम ऑफ गिरगिट के निर्माताओं ने हाल ही में इसको लेकर घोषणा की है। एक्ट्रेस को श्रेयस तलपड़े की फिल्म द गेम ऑफ गिरगिट में कास्ट किया गया है। इस फिल्म में एक्ट्रेस एक पुलिस ऑफिसर के किरदार में दिखाई देंगी। आने वाली यह फिल्म थ्रिलर गंधार फिल्म्स एंड स्टूडियो प्राइवेट लिमिटेड की निर्मित है और हेट स्टोरी 2 के प्रसिद्ध विशाल पंड्या की निर्देशित है।

फिल्म के निर्माताओं के अनुसार द गेम ऑफ गिरगिट फेमस ब्लू व्हेल गेम पर आधारित है, जो हाल के दिनों में युवाओं के बीच काफी ज्यादा लोकप्रिय हो गया है। इसे व्हेल चैलेंज भी कहा जाता है। यह एक इंटरनेट गेम है, जिसमें कथित तौर पर 50 दिनों की अवधि के दौरान प्रशासकों के खिलाड़ियों को सौंपे गए कामों की एक सीरीज शामिल होती है, जिसमें आखिर में चुनौती के लिए खिलाड़ी को आत्महत्या करनी होती है।

हाल ही में विवादित फिल्म द केरल स्टोरी में नजर आईं अदा शर्मा ने कहा कि पर्दे पर एक पुलिस की भूमिका निभाने के लिए काफी उत्साहित हैं। एक्ट्रेस ने कहा कि मैंने कमांडो में पहले एक पुलिस वाले की भूमिका निभाई है और भावना रेड्डी की भूमिका बहुत लोकप्रिय रही थी। गायत्री भार्गव की यह भूमिका एक बहुत ही अलग पुलिस वाले की है। एक पुलिस वाले की भूमिका निभाना मजेदार है, लेकिन इस बार अलग है।

द गेम ऑफ गिरगिट में ऐप डेवलपर की भूमिका निभाने वाले श्रेयस तलपड़े ने कहा कि वह फिल्म की कहानी से प्रभावित हैं। उन्होंने कहा कि मैं इस सफर का इंतजार कर रहा हूं। इसमें एक शक्तिशाली संदेश भी है जो हमें लगता है कि दर्शकों, विशेष रूप से देश के बच्चों और युवाओं तक पहुंचना चाहिए। फिल्म के निर्देशक ने कहा कि द गेम ऑफ गिरगिट आज की पीढ़ी की कहानी है, जो मोबाइल फोन एप पर अपने निजी जीवन के बारे में विवरण साझा करने के परिणामों से अनजान हैं।

कोरोना समाप्त हुआ लेकिन आगे क्या ?

अजीत द्विवेदी

विश्व स्वास्थ्य संगठन, डब्लुएचओ ने कोविड-19 की महामारी को समाप्त हुआ मान लिया है। उसने ऐलान किया है कि अब कोविड-19 वैश्विक आपातकाल यानी ग्लोबल इमरजेंसी नहीं है। इसका मतलब है कि यह समाप्त हो गया है या इसे एक सामान्य बीमारी की तरह लिया जाए, जो मानवता के लिए खतरा नहीं है। कोई तीन साल पहले 2020 के शुरू में कई महीनों की टालमटोल के बाद डब्लुएचओ ने कोरोना की महामारी को वैश्विक आपातकाल घोषित किया था। उसके बाद पूरी दुनिया इस बीमारी से पार पाने के लिए संघर्ष करती रही। कोरोना को वैश्विक आपातकाल घोषित करने के एक साल बाद जनवरी 2021 में जब इसका ग्लोबल पीक था तब दुनिया में एक हफ्ते में एक लाख मौतें हो रही थीं, जो मई के शुरू में कम होकर चार हजार रह गईं। पिछले पांच महीने में यानी इस साल कोरोना के केसेज में 90 फीसदी की कमी आई है, जिसके बाद लोगों की मुश्किलें कम हुई हैं और अस्पतालों पर से भी दबाव लगभग पूरी तरह से समाप्त हो गया है। राजधानी दिल्ली और वित्तीय राजधानी मुंबई में चौथी लहर की आशंका देखते हुए कोविड वार्ड तैयार किए गए थे, लेकिन जिस तेजी से रोजाना के केसेज 10 हजार से ऊपर पहुंचे थे उसी तेजी से उनमें कमी आई और अब औसतन दो हजार के करीब केस रोज आ रहे हैं और जो मौतें हो रही हैं वह ऐसे लोगों की हो रही हैं, जो पहले से किसी दूसरी बीमारी से ग्रसित हैं।

पूरी दुनिया में कोरोना की स्थिति में सुधार आने के बाद डब्लुएचओ ने घोषित कर दिया कि यह अब वैश्विक आपातकाल नहीं है। लेकिन सवाल है कि पूरी दुनिया ने इससे क्या सबक लिया और आगे क्या होगा? क्या खुद डब्लुएचओ ने इससे कोई सबक लिया है? ध्यान रहे कोरोना महामारी की शुरुआत 2019 के अंत में हुई थी और इसलिए इसका नाम कोविड-19 रखा गया। ताइवान की सरकार ने नवंबर 2019 में आगाह किया था कि चीन से एक घातक वायरस निकला है, जो पूरी दुनिया को संकट में डाल सकता है। लेकिन डब्लुएचओ के अधिकारी कान में तेल डाल कर सोते रहे। उन्होंने इस पर ध्यान ही नहीं। चीन ने इस मामले को छिपाए रखा। उसने कोई सावधानी नहीं बरती और सारी दुनिया से कनेक्टेड रहा। चीन से दुनिया भर में उड़ानें जाती रहीं, जिससे कोरोना का वायरस दुनिया के कोने कोने में फैला। अगर डब्लुएचओ ने ताइवान की चेतावनी पर ध्यान दिया होता और चीन पर सख्ती करता तो 2019 के अंत में ही इसे दुनिया के दूसरे हिस्सों में फैलने से रोका जा सकता था।

लेकिन डब्लुएचओ ने 2020 के मार्च तक इसे अनदेखा किए रखा और तब तक सारी दुनिया में यह वायरस पहुंच गया। ध्यान रहे भारत में भी 30 जनवरी 2020 को जो पहला केस पकडा गया था वह चीन के वुहान से आए विमान के एक यात्री में ही मिला था। चीन को लेकर डब्लुएचओ की लापरवाही यही पर समाप्त नहीं होती है। कोरोना के सारी दुनिया में फैल जाने के बाद भी यह विश्व संस्था चीन की जांच कराने की सिर्फ बातें करती रही। डब्लुएचओ ने चीन की पूरी सख्ती और ईमानदारी से जांच नहीं कराई, जिससे निर्णायक रूप से यह पता चल सके कि यह वायरस प्राकृतिक था या लैब में तैयार किया गया था। दुनिया इस सवाल पर बंटी हुई है। ज्यादातर लोगों का मानना है कि वुहान के वायरोलॉजी लैब से कोरोना का वायरस निकला था और सारी दुनिया में फैला। चीन भले इस बात से इनकार करता रहा है लेकिन धारणा यही बनी है। डब्लुएचओ ने जांच की टीम भी भेजी लेकिन उनके निष्कर्षों पर लोगों को यकीन नहीं है। सो, इसकी उत्पत्ति का निर्णायक रूप से पता नहीं चला, बड़ी चिंता की बात है।

अगर कोरोना का वायरस प्राकृतिक रूप से बना था और किसी पशु से निकल कर इंसानों में फैला तो उसकी चिंताएं अलग हैं और उस स्थिति में बचाव के उपाय भी अलग करने होंगे। लेकिन अगर यह मैनमेड था यानी लैब में बना था, तब कि चिंताएं बिल्कुल अलग हो जाएंगी। अगर लैब में इस तरह का घातक वायरस तैयार किया जा रहा है तो इसका मतलब है कि पूरी मानवता का भविष्य किसी एक सनकी व्यक्ति के हाथ में है, जो जब चाहे तक ऐसे वायरस लीक करके दुनिया को संकट में डाल सकता है। मानवीय या तकनीकी भूल से भी अगर ऐसा वायरस फैल जाए तो पूरी दुनिया पर खतरा हो जाएगा। यह नए तरह के जैविक युद्ध की आहट है। दूसरी ओर अगर यह वायरस प्राकृतिक रूप से बना था तब इंसान और प्रकृति के संघर्ष को नए तरह से देखने की जरूरत पैदा होती है। ध्यान रहे पिछले कुछ समय से शहरीकरण की होड़ में जंगल काटे जा रहे हैं या शहर जंगल की सीमा में अंदर घुसते जा रहे हैं। इससे इंसान और जंगली जानवरों के बीच संघर्ष बढ़ रहा है। इसी तरह विशेषज्ञों का मानना है कि क्लाइमेट चेंज और ग्लोबल वार्मिंग की वजह से भी वन्य जीव समाप्त हो रहे हैं और इस वजह से अलग अलग प्रजातियों के बीच वायरस बनने और फैलने की आशंका बढ़ रही है। सो, यह जरूरी है कि डब्लुएचओ दुनिया भर के देशों को आगाह करे और उनके साथ मिल कर भविष्य की योजना बनाए ताकि से वायरस को बनने, बनाने और फैलने से रोका जाए।

तीन साल के इस संकट का एक सबक यह भी है कि दुनिया के सभी देशों को, चाहे वह सबसे विकसित अमेरिका हो या भारत जैसा विकासशील देश हो, सबको स्वास्थ्य ढांचे को बेहतर बनाने के लिए काम करना होगा। यह हकीकत सारी दुनिया के सामने है कि अमेरिका और यूरोप में भी स्वास्थ्य ढांचा पूरी तरह से चरमरा गया था। विकसित और सभ्य लोकतांत्रिक देशों ने लोगों को मरने के लिए छोड़ दिया था। भारत जैसे विकासशील या पिछड़े देशों में तो सब कुछ भगवान भरोसे था। नागरिक पूरी तरह से असहाय और लाचार थे। लोगों को अस्पताल में बेड्स नहीं मिल रहे थे, लोग ऑक्सीजन की कमी से मर रहे थे और मरने के बाद सम्मान के साथ अंतिम संस्कार भी नहीं हो पा रहा था। यह भी ध्यान रखने की जरूरत है कोविड-19 न तो पहला वायरस था और न आखिरी। इबोला से लेकर सार्स तक कितने वायरस पहले आए और उनसे भी बेशकीमती जिंदगियों का नुकसान हुआ। इसलिए स्वास्थ्य सेवाओं को प्राथमिकता के साथ बेहतर बनाने का काम होना चाहिए।

डब्लुएचओ ने मार्च 2020 में कोविड-19 को वैश्विक आपातकाल घोषित किया था और तब लग रहा था कि दुनिया को लंबे समय तक इस संकट से जूझना होगा। तब किसी ने कल्पना नहीं की थी कि छह महीने के अंदर दुनिया के वैज्ञानिक इसकी वैक्सीन तैयार कर लेंगे और वायरस को रोकने का प्रयास शुरू हो जाएगा। हालांकि इतने कम समय में वैक्सीन तैयार करने के लिए नियमों और तरीकों में काफी समझौता किया गया लेकिन वैक्सीन आई तो उससे वायरस नियंत्रित हुआ। वायरस से तो लोगों को मुक्ति मिल गई है लेकिन उसके बाद स्वास्थ्य को लेकर कई तरह की नई जटिलताएं पैदा हो गई हैं। पूरी दुनिया में अचानक हार्ट अटैक से होने वाली मौतों में बेतहाशा बढ़ोतरी हुई है। लंग्स से जुड़ी बीमारियां भी आम हो गई हैं। यह वायरस का असर भी हो सकता है और इलाज का साइड इफेक्ट भी हो सकता है। इस पहलू को भी समझने और ठीक करने की जरूरत है।

सू- दोकू क्र.023

		3					7	
9				6		3		8
	7		9		5		6	
						1		9
3		8		7			5	
	1		3		9			7
		2		8		7		
	8				2		4	3
			1					

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.22 का हल

5	2	4	9	6	7	8	1	3
3	6	7	4	1	8	2	9	5
8	1	9	3	2	5	4	6	7
6	3	5	1	9	4	7	2	8
7	9	8	5	3	2	6	4	1
2	4	1	7	8	6	5	3	9
4	5	3	6	7	9	1	8	2
9	8	6	2	5	1	3	7	4
1	7	2	8	4	3	9	5	6

विपक्षी मोर्चा के संयोजक होंगे नीतीश!

अगर देश भर की विपक्षी पार्टियों का मोर्चा बनता है, जिसकी कोशिश बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार कर रहे हैं और उनके साथ साथ कुछ और नेता इस आइडिया को आगे बढ़ा रहे हैं तो उसकी कमान किसके हाथ में रहेगी? विपक्षी पार्टियां अभी इस बारे में बात नहीं कर रही हैं। उनका कहना है कि एक बार गठबंधन बन जाए तो यह भी तय कर लेंगे कि उसका नेता कौन होगा। सबको पता है कि विपक्ष का नेता कौन होगा यह तय करना आसान नहीं है। लेकिन विपक्षी गठबंधन का संयोजक या समन्वयक तय करना ज्यादा मुश्किल नहीं होगा।

बिहार के जनता दल यू और राजद नेताओं का कहना है कि गठबंधन का नेता चुनने का मतलब यह है कि अगर लोकसभा चुनाव में विपक्षी गठबंधन जीते तो प्रधानमंत्री कौन होगा पर संयोजक या समन्वयक का मतलब है कि चुनाव तक सभी पार्टियों को साथ लाने और उनके बीच सीटों का तालमेल कराने वाला व्यक्ति। जरूरी नहीं है कि वह व्यक्ति गठबंधन का नेता या प्रधानमंत्री पद का दावेदार हो। नीतीश कुमार वह व्यक्ति हो सकते हैं। ध्यान रहे पहले जब भाजपा के नेतृत्व वाला एनडीए बना था तब लंबे समय तक किसी न किसी प्रादेशिक पार्टी का नेता ही उसका संयोजक होता था। जॉर्ज फर्नांडीस से लेकर चंद्रबाबू नायडू और शरद यादव तक संयोजक रहे लेकिन इनमें से कोई न कोई प्रधानमंत्री का दावेदार था और न प्रधानमंत्री बना। सवाल है कि क्या नीतीश कुमार उसी तरह की भूमिका अपने लिए चाहते हैं? बताया जा रहा है कि नीतीश अभी अनौपचारिक रूप से और विशुद्ध रूप से अपनी पहल पर विपक्षी पार्टियों को साथ लाने का प्रयास कर रहे हैं। अगर इस प्रयास को औपचारिक रूप दिया जाता है यानी मोर्चा बन जाता है तो एक कोऑर्डिनेटर की जरूरत होगी। क्योंकि उसके बाद सभी नेताओं के सात तालमेल करना, भाजपा के साथ वन ऑन वन इलेक्शन बनाने के लिए सीटों की एडजस्टमेंट के बारे में बातचीत करना और साझा न्यूनतम कार्यक्रम तय करने के लिए एक सिस्टम चाहिए होगा। वह सिस्टम नीतीश के नेतृत्व में बन सकता है।

बताया जा रहा है कि सभी विपक्षी नेताओं के साथ एक दौर की वार्ता के बाद बिहार में सबको इकट्ठा किया जाएगा। देश की तमाम भाजपा विरोधी पार्टियों की बैठक बिहार में होगी। उस बैठक में नीतीश कुमार को विपक्षी मोर्चा का कोऑर्डिनेटर बनाया जा सकता है। पद का नाम कोऑर्डिनेटर यानी समन्वयक या कन्वेनर यानी संयोजक में से कुछ हो सकता है। नीतीश की पार्टी जनता दल यू के नेताओं को उम्मीद है कि उनको विपक्षी मोर्चा की कमान मिलने से नीतीश का कद बढ़ेगा और वे सर्वमान्य राष्ट्रीय नेता माने जाएंगे। (आरएनएस)

संतुष्टि और लिप्सा

एक राजा का जन्मदिन था। सुबह जब वह घूमने निकला तो उसने तय किया कि वह रास्ते में मिलने वाले पहले व्यक्ति को पूरी तरह खुश व संतुष्ट करेगा। उसे एक भिखारी मिला। भिखारी ने राजा से भीख मांगी तो राजा ने भिखारी की तरफ एक तांबे का सिक्का उछाल दिया। सिक्का भिखारी के हाथ से छूट कर नाली में जा गिरा। भिखारी नाली में हाथ डाल तांबे का सिक्का ढूंढ़ने लगा। राजा ने उसे बुलाकर दूसरा तांबे का सिक्का दिया। भिखारी ने खुश होकर वह सिक्का अपनी जेब में रख लिया और वापस जाकर नाली में गिरा सिक्का ढूंढ़ने लगा। राजा को लगा की भिखारी बहुत गरीब है, उसने भिखारी को चांदी का एक सिक्का दिया।

भिखारी राजा की जय-जयकार करता फिर नाली में सिक्का ढूंढ़ने लगा। राजा ने अब भिखारी को एक सोने का सिक्का दिया। भिखारी खुशी से झूम उठा और वापस भाग कर अपना हाथ नाली की तरफ बढ़ाने लगा। राजा को बहुत खराब लगा। उसे खुद से तय की गयी बात याद आ गयी कि पहले मिलने वाले व्यक्ति को आज खुश एवं संतुष्ट करना है। उसने भिखारी को बुलाया और कहा कि मैं तुम्हें अपना आधा राज-पाट देता हूं, अब तो खुश व संतुष्ट हो भिखारी बोला, मैं खुश और संतुष्ट तभी हो सकूंगा जब नाली में गिरा तांबे का सिक्का मुझे मिल जायेगा। प्रस्तुति : सुष्मिता शर्मा

गंगा को रील में नहीं रियल में देखिए

लोकेंद्र सिंह बिष्ट

हर्षिल घाटी (गंगोत्री)। रिवर राफ्टिंग असीमित रोमांच, जोश, मनोरंजन और जोखिम से जुड़ा एक साहसिक खेल है। रिवर राफ्टिंग के खेल में उल्लास, अभिप्रेरणा और आत्मविश्वास, उत्साह के साथ नदियों की लहरों पर जोखिमभरा खेल भी है।। रिवर राफ्टिंग 70 के दसक से एक आधुनिक व साहसिक खेल बन चुका है जो आज दुनियां में काफी लोकप्रिय हो चुका है।

राफ्टिंग को श्वेत जल राफ्टिंग यानी वाइट वाटर राफ्टिंग के नाम से भी दुनियां में लोकप्रिय हो चुका है। राफ्टिंग जोखिमभरे खेल को अत्याधुनिक उपकरणों एवं सुरक्षा टिप्स को ध्यान में रखते हुए खेलना चाहिए। इंडियन रिवर राफ्टिंग के

प्रसिद्ध स्थानों में से एक आजकल काफी लोकप्रिय हो रहा है और वह है हर्षिल घाटी। समुद्रतल से लगभग 3000 मीटर की ऊंचाई पर हर्षिल घाटी में आजकल साहसिक और जोखिमभरा राफ्टिंग खेल काफी लोकप्रिय हो रहा है। भारत के मिनी स्विट्जरलैंड के नाम से विख्यात हर्षिल घाटी में 15 किलोमीटर के हिस्से में आजकल साहसिक पर्यटन के शौकीन पर्यटक राफ्टिंग व कयाकिंग का आनंद ले रहे है। पहली बार उत्तराखंड सरकार के पर्यटन विभाग ने समुद्रतल से 3000 मीटर की ऊंचाई पर स्थित हर्षिल घाटी में राफ्टिंग की अनुमति दी है।

इधर देवप्रयाग से अलकनंदा नदी को अपने में समाने के बाद ऋषिकेश क्षेत्र में कदम रखती हैं।जहां जगह जगह राफ्टिंग के लिए विश्वप्रसिद्ध राफ्टिंग प्वाइंट बने हैं। जिनमे ऋषिकेश से गंगोत्री की तरफ 9 किलोमीटर पर ब्रह्मपुरी, 16 किलोमीटर पर शिवपुरी, 26 किलोमीटर पर मरीन ड्राइव और 32 किलोमीटर पर कौड़ियाला में हजारों साहसिक पर्यटक गंगा की लहरों पर सवार होने के लिए प्रतीक्षारत रहते हैं। राफ्टिंग के लिए सबसे लोकप्रिय क्षेत्र शिवपुरी है। गंगा के अदभुत ये दृश्य हर्षित घाटी में जांगला झाला के बीच के साथ साथ ऋषिकेश में शिवपुरी और ब्रह्मपुरी के बीच के हैं। जो रोमांच और साहसिक पर्यटन के लिए खासे लोकप्रिय हैं।

भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री तरुण चुग से पूर्व मंडी अध्यक्ष ने की शिष्टाचार भेंट

कार्यालय संवाददाता

हरिद्वार। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय कार्यालय, दिन दयाल उपाध्याय मार्ग, नई दिल्ली में भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री, जम्मू- कश्मीर तेलंगाना के प्रभारी, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जनसंपर्क कार्यक्रमों के संयोजक तरुण चुग से पूर्व कृषि उत्पादन मंडी समिति अध्यक्ष, भाजपा के वरिष्ट नेता संजय चोपड़ा ने शिष्टाचार भेंट कर अंग वस्त्र, रुद्राक्ष की माला पहनाकर स्वागत कर गंगा जली भेंट की। पूर्व मंडी अध्यक्ष संजय चोपड़ा ने भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री तरुण चुग से मांग की प्रधान मंत्री के निर्देशन में केंद्र सरकार द्वारा असंगठित क्षेत्र के श्रमिक कामगार रेडी पटरी के स्ट्रीट वेंडर्स लघु उद्योग के मजदूरों के लिए चलाई जा रही जन कल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन के लिए भाजपा संगठन की और से समीक्षा कर संयोजक नियुक्त किए जाने की मांग को पुनः दोहराया।

इस अवसर पर पूर्व कृषि उत्पादन मंडी समिति अध्यक्ष, भाजपा के वरिष्ठ नेता संजय चोपड़ा ने कहा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में असंगठित क्षेत्र के कामगार मजदूरों रेडी पटरी के स्ट्रीट वेंडर्स के लिए प्रधानमंत्री आत्मनिर्भर योजना पीएम स्वनिधि मुद्रा योजना, श्रम योगी मानधन जैसी योजनाएं चलाई जा रही है केंद्र सरकार की और से सभी जन कल्याणकारी योजनाओं की समीक्षा कर भाजपा संगठन की और से सयोजक नियुक्त किए जाने चाहिए ताकि असंगठित छेत्र के लघु व्यापारी को भाजपा शासित राज्यो में केंद्र और राज्य सरकार का संरक्षण प्राप्त हो सके। उन्होंने ये भी कहा की भारतीय जनता पार्टी का मिशन सबका साथ सबका विकास के लक्ष्य पूर्ति के लिए गैर राजनीतिक समाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों को भी भारतीय जनता पार्टी के बैठकों में आमंत्रित कर भाजपा की मजबूती वह लोक सभा चुनाव 2024 का मिशन एक बार फिर मोदी सरकार पूर्ण करने के विचारो को आदान प्रदान करने के लिए भी भाजपा के राष्ट्रीय नेतृत्व को योजनाबद्ध तरीके से कार्य करने के लिए कदम बढ़ाने होंगे।

भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री तरुण चुग से प्रतिनिधिमंडल के रूप में मुलाकात करते भाजपा के वरिष्ठ नेता आलोक मिश्रा, अभिषेक निगम, देवेंद्र चौधरी, राजेंद्र पाल, मनोज कुमार मंडल, ओमप्रकाश भाटिया आदि शामिल रहे।

परिवार रजिस्टर में बाहरी लोगों के नाम दर्ज होने की होगी जांचः मर्तोलिया

संवाददाता

मुनस्यारी। जिला पंचायत सदस्य जगत मर्तोलिया ने कहा कि ग्राम पंचायतों में विकासखंड से बाहर के लोगों के नाम परिवार रजिस्टर में दर्ज होने की उच्च स्तरीय जांच की जायेगी।

आज यहां चीन सीमा से लगे ग्राम पंचायतों में विकास खंड से बाहर के निवासियों के नाम ग्राम पंचायत के परिवार रजिस्टर में दर्ज होने की उच्च स्तरीय जांच की जाएगी। इसके लिए एक समिति बनाई गई है। संवधित परिवार के अलावा तत्कालीन ग्राम पंचायत विकास अधिकारी, ग्राम प्रधान को नोटिस भेजने की तैयारी की जा रही है। ग्राम पंचायतों की बैठक में अनुपूरक योजनाओं को आनलाइन नहीं किए जाने पर नाराजगी जताई गई। विकास खंड कार्यालय के सभाकक्ष में जिला पंचायत सदस्य जगत मर्तोलिया द्वारा बुलाई गई समीक्षा बैठक में इन मसलों पर चर्चा हुई। समीक्षा बैठक में जिपंस जगत मर्तोलिया ने कहा कि ग्राम पंचायत की बैठक में आने वाले प्रस्तावों को धरातल पर उतारने की दशा में कोई भी लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। बीते दिनों हुई ग्राम पंचायतों की बैठक में पता चला है कि ग्राम पंचायत मल्ला घोरपट्टा, बूंगा तथा सरमोली में पंचायत एक्ट के नियमों के विरुद्ध विकास खंड से बाहर के कुछ परिवारों ने अपने नाम परिवार रजिस्टर में दर्ज कर दिया है। पंचायत एक्ट के अनुसार इन परिवारों के कोई भी दस्तावेज ग्राम पंचायत के पास नहीं है।ग्राम पंचायतों की बैठक में ग्राम के मूल निवासियों द्वारा बाहरी परिवारों के नाम दर्ज होने पर गंभीर आपत्ति व्यक्त की गई है।

जिपंस जगत मर्तोलिया ने एक साल पहले अनुपूरक योजनाओं में दर्ज करने के बाद भी प्रस्तावित मुर्गी विलेज तल्ला घोरपट्टा, मल्ला घोरपट्टा में अभी तक मुर्गी बाड़ा नहीं बनने पर कड़ी आपत्ति जताई।

बैठक में ग्राम प्रधान पंकज सिंह बृजवाल, कृष्णा सिंह सयाना, मनोज मर्तोलिया, रमेश सिंह नेगी, नरेंद्र राम, लवराज कुमार सहित सहायक खंड विकास अधिकारी प्रेम राम, सहायक विकास अधिकारी पंचायत दीपक कुमार भट्ट, ग्राम पंचायत विकास अधिकारी प्रकाश गनघरिया, गीता पिमोली, महेंद्र सिंह बिष्ट, ग्राम विकास अधिकारी नरेन्द्र कुमार, नवीन रावत आदि मौजूद रहे।

बलात्कार में असफल होने पर की थी महिला की हत्या, गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

उधमसिंहनगर। आम के बाग में मृत मिली महिला की हत्या का खुलासा करते हुए पुलिस ने एक युवक को गिरफ्तार कर लिया है। पकड़े गए आरोपी ने महिला के साथ दुष्कर्म करने में असफल होने पर इस घटना को अंजाम दिया था।

प्राप्त जानकारी के अनुसार बीती 16 मई को काशीपुर निवासी एक युवक ने तहरीर देकर बताया कि उसकी मां 15 मई सुबह आठ बजे अपने खेत में चारा काटने के लिए गई हुयी थी जब काफी देर हो जाने के बाद उसकी मां घर नहीं आयी तो परिवार वालों द्वारा खोजबीन की गयी। जहां उसकी मां एक आम के बाग में आम के पेड़ में अपनी साड़ी के फंदे में लटकी हुई थी। उनके मुंह तथा होठों आदि शरीर पर चोट के निशान थे। शक जताया गया कि किसी अज्ञात व्यक्ति ने उसकी मां की हत्या कर शव को पेड़ से लटका दिया है।

मामले में पुलिस ने तत्काल मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गयी। जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि घटना स्थल के पास खेत में एक 20-21 वर्ष के लड़के द्वारा एक महिला को घास का गट्ठर उठाने में मदद की गयी थी। उक्त महिला से संदिग्ध का हुलिया पूछकर आने जाने वाले रास्तों के सीसीटीवी कैमरे चैक किये गये, जिनमें एक संदिग्ध व्यक्ति दिखाई दिया। जिसकी फोटो निकाल कर उसकी पहचान करायी गयी तो उसकी पहचान मनोज कुमार उर्फ विनोद के रूप में हुई। जिसके बाद मनोज को पकड़ा गया तो उसके बायें हाथ की बीच की अंगुली किसी धारदार हथियार से कटी हुयी पायी गयी। पूछताछ के दौरान मनोज ने बताया कि वह धनौरी गांव का रहने वाला है तथा एक स्कूल बस में नौकरी करता है। बताया कि 15.मई को स्कूल के बच्चों को स्कूल छोड़ने के बाद घर में खाना खाकर वह अमरूद के बगीचे में गया, वहाँ पर ट्यूबवैल में पानी पीकर गन्ने के खेत की तरफ जा रहा था कि गन्ने के खेत में उसके एक परिचित आंटी मिली, जिन्हें वह बचपन से जानता था। उसने आंटी से कहा कि यहाँ खेत में दवाई डाली है, यहाँ घास मत काटो, आम के बगीचे में घास काट लो। मृतका ने उसकी बात मान ली और आम के बगीचे में चली गयी। उसके पीछे वह भी चला गया और चरस से भरी बीड़ी पी और बदनीयति से वह मृतका से जोर जबरदस्ती का प्रयास करने लगा। गुस्से में आकर महिला ने दरांती से वार किया तो मनोज ने अपने बांये हाथ से दरांती पकड़ ली, जिससे उसके बांये हाथ की बीच वाली अंगुली कट गयी। जिस पर उसने उसका गला दबाकर हत्या कर दी थी और आत्महत्या दर्शाने के लिए उसका शव पेड़ से टांग दिया था।

एमडीडीए कालोनी डालनवाला में श्री राम कथा का आयोजन

हमारे संवाददाता

देहरादून। शिव मन्दिर प्रबन्ध समिति कार्यकारिणी द्वारा एमडीडीए कॉलोनी डालनवाला में श्री रामकथा का भव्य आयोजन किया गया। श्री राम कथा के प्रथम दिन पूजा अर्चना के उपरांत महिलाओं ने 251कलश के साथ शोभायात्रा निकाली। शोभा यात्रा एमडीडीए कॉलोनी डालनवाला क्षेत्र में गाजे बाजे के संग निकला गई। इस अवसर पर श्रद्धालु पितवस्त्रों में नजर आए। शोभा यात्रा एमडीडीए डालनवाला सामुदायिक केंद्र में समाप्त हुई।

शाम के समय सामुदायिक केंद्र में श्री राम कथा में कथा वक्ता व्यास आचार्य बिजेन्द्र प्रसाद ममगांई ने प्रभु श्री राम के मर्यादा पुरुषोत्तम रुप से सामान्य जनमानस को प्रेरणा लेने की आवश्यकता बताई। उन्होने जोर देकर कहा कि प्रभु श्री राम के जीवन के प्रत्येक चरण से प्राणी मात्र मर्यादित जीवन जीने की सीख ले सकता है। व्यास ने प्रभु राम के अवतरण की बड़ी भावुक कथा का वर्णन बड़े ही सरल शब्दों में किया जिसे सुनकर हजारों की संख्या में आए कथाप्रेमी भाव विभोर हो उठे।

कथा के शुभारंभ के दौरान समिति अध्यक्ष टीटू प्रवीण त्यागी ने श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि सभी के मन में प्रभु श्री राम का नाम अवश्य होना चाहिए। इसके लिए कथा श्रवण से उत्तम और कुछ नही हो सकता। अधिक से अधिक भक्तो को कथा श्रवण करना चाहिए। उन्होंने बताया कि कथा 9 दिन तक चलेगी जिसका समापन 28 मई को किया जाएगा। शोभा यात्रा एवम् कथा श्रवण के दौरान शिव मन्दिर प्रबन्ध समिति कार्यकारिणी के अध्यक्ष प्रवीन टीटू त्यागी,उपाध्यक्ष आनन्द त्यागी,उपाध्यक्ष अकबर सिंह नेगी ,सचिव राजीव शर्मा, संयुक्त सचिव जसवन्त जोनवाल, कोषाध्यक्ष नन्द किशोर वर्मा ,लेखा निरीक्षक सन्तराम जायसवाल,कार्यकारिणी सदस्य सुखदेव शर्मा,कार्यकारिणी सदस्य एन के सिंह,कार्यकारिणी सदस्य श्री राकेश शर्मा,कार्यकारिणी सदस्य राकेश गुप्ता,टीकाराम पांडे,महेश जोशी आदि मौजूद थे।

एक नजर

एयरपोर्ट पर एक परिवार ने पीएम मोदी को किया दंडवत प्रणाम

नई दिल्ली। ग्रुप ऑफ सेवन के शिखर सम्मलेन में हिस्सा लेने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जब रविवार के दिन पापुआ न्यू गिनी पहुंचे थे। न्यू गिनी पहुंचते ही पीएम मोदी के साथ कुछ ऐसा हुआ जिसने सबको चौंका दिया। दरअसल पीएम मोदी ने जैसे ही पापुआ न्यू गिनी की धरती पर कदम रखा तो वहां स्वागत के लिए

पहुंचे प्रधानमंत्री जेम्स मारापे ने पीएम नरेंद्र मोदी का पैर छू लिया। उनके पैर छूते ही पीएम मोदी भी हैरान रह गए। बता दें कि पीएम मोदी अब पापुआ न्यू गिनी से निकल चुके हैं और अब वे ऑस्ट्रेलिया दौरे पर जाएंगे। ऑस्ट्रेलिया दौरे पर जाने से पहले एयरपोर्ट पर एक परिवार पीएम नरेंद्र मोदी से मिलने आया था। इस दौरान वहां खड़ा शख्स अचानक पीएम मोदी के सामने दंडवत प्रणाम करने लगता है। इस बीच उसके पैर छूने को देखकर पीएम चौंक गए और उन्होंने भी झुककर उक्त शख्स के प्रणाम को स्वीकार किया।

जेल में बंद आप के पूर्व मंत्री सत्येंद्र जैन की तबीयत बिगड़ी

नई दिल्ली। मनी लॉन्ड्रिंग मामले में जेल में बंद दिल्ली सरकार के पूर्व मंत्री सत्येंद्र जैन को तबीयत बिगड़ने पर सोमवार को सफदरजंग अस्पताल में भर्ती कराया गया है। फिलहाल डॉक्टर उनके स्वास्थ्य का परीक्षण कर रहे हैं। बता दें कि सत्येंद्र जैन 31 मई 2022 ईडी की हिरासत में हैं। पिछली सुनवाई के दौरान कोर्ट में उनके वकील अभिषेक सिंघवी ने उनकी खराब सेहत का हवाला दिया था। उन्होंने कहा कि वो आदमी कंकाल हो गया है। जेल में उनका वजन 35 किलो तक घट गया है। सत्येंद्र जैन की तबीयत बिगड़ने पर सीएम केजरीवाल ने ट्वीट कर कहा कि 'सत्येंद्र जैन जी के बेहतर स्वास्थ्य के लिए मैं ईश्वर से प्रार्थना करता हूं। बीजेपी सरकार के इस अहंकार और जुल्म को दिल्ली और देश के लोग अच्छे से देख रहे हैं। भगवान भी इन अत्याचारियों को कभी माफ नहीं करेंगे। इस संघर्ष में जनता हमारे साथ है, ईश्वर हमारे साथ हैं।

अनुच्छेद 370 को बहाल किए जाने तक विधानसभा चुनाव नहीं लड़ेंगी 'महबूबा'

जम्मू। जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती ने रविवार को कहा कि संविधान के अनुच्छेद 370 को बहाल किए जाने तक वह जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव नहीं लड़ेंगी। हालांकि उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी चुनाव जरूर

लड़ेगी।पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने कहा, जम्मू और कश्मीर को विशेष दर्जा संघवाद का सबसे अच्छा उदाहरण था, लेकिन अनुच्छेद 370 को निरस्त करने से राज्य विभाजित और अक्षम हो गया। उन्होंने आगे कहा कि चीन अब जम्मू-कश्मीर के मामलों में दखल दे रहा है, जबकि पहले सिर्फ पाकिस्तान ऐसा करता था। यह भाजपा द्वारा अनुच्छेद 370 को निरस्त करने का परिणाम है। पूर्व मुख्यमंत्री ने मौजूदा हालात में जम्मू-कश्मीर को खुली जेल बताते हुए कहा, हमारे सभी पासपोर्ट जब्त कर लिए गए हैं।

'कोश्यारी महाराष्ट्र के अपराधी हैं'

मुंबई। महाराष्ट्र के पूर्व राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी ने मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे से उनके वर्षा स्थित सरकारी आवास पर मुलाकात की। इस मुलाकात में इन दोनों के बीच क्या चर्चा हुई, इसका खुलासा नहीं हो सका। ठाकरे गुट के सांसद संजय राउत ने इस यात्रा की आलोचना करते हुए कहा है कि कोश्यारी महाराष्ट्र के अपराधी हैं। राउत ने कहा, महाराष्ट्र के पूर्व राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी महाराष्ट्र के अपराधी हैं। महाराष्ट्र का सबसे बड़ा अपराध कोश्यारी ने किया है जो उस समय राज्यपाल थे। सुप्रीम कोर्ट ने बता दिया है कि यह कितना बड़ा अपराध है। राउत ने मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और पूर्व राज्यपाल भगतसिंह कोश्यारी की मुलाकात पर टिप्पणी करते हुए कहा है कि अगर मुख्यमंत्री महाराष्ट्र के अपराधी से मिलते हैं तो यह उनकी प्रवृत्ति है। उन्होंने असंवैधानिक तरीके से काम करके सरकार लाई। इसलिए, यदि पूर्व राज्यपाल अपने द्वारा स्थापित असंवैधानिक मुख्यमंत्री से मिलने जाते हैं, तो उन्हें दो असंवैधानिक व्यक्ति दिखाई देंगे।

आखिरी अतिक्रमण तक जारी रहेगा अभियानः धामी

विशेष संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने आज सचिवालय में अधिकारियों के साथ बैठक कर राज्य में चल रहे अतिक्रमण हटाओ अभियान (लैंड जिहाद) की समीक्षा की। तथा अधिकारियों को स्पष्ट दिशा निर्देश दिए कि जहां भी किसी भी तरह का अतिक्रमण हुआ है उसे तुरंत हटाया जाए। उन्होंने कहा है कि राज्य में किसी भी तरह का अतिक्रमण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा तथा आखरी अतिक्रमण हटाने तक अभियान जारी रहेगा।

समीक्षा बैठक में मुख्य सचिव से लेकर तमाम विभागों के जिलों के अधिकारी मौजूद रहे। जानकारी के अनुसार अब तक राज्य में लगभग 340 अवैध मजारों को तोड़कर लगभग 300 हेक्टेयर जमीन को कब्जा मुक्त कराया गया है तथा यह कार्यवाही निरंतर जारी है। अब तक की गई कार्यवाही मुख्य रूप से वन क्षेत्र में बनी मजारों तक ही सीमित रही हैं

●चिन्हीकरण और ध्वस्तीकरण का काम जारी
●किसी भी तरह का अतिक्रमण बर्दाश्त नहीं
●सीएम ने अधिकारियों से ली जानकारी

लेकिन अब अरवन क्षेत्र के अतिक्रमण पर कार्यवाही करने की रूपरेखा तैयार की जा रही है जिसके अंतर्गत नदियों नालों-खालों के किनारे किए गए अतिक्रमण को हटाया जाएगा।

जानकारी के अनुसार आज रामनगर में सिंचाई विभाग और वन भूमि पर अतिक्रमण कर बनाए गए पांच रिजार्ट पर प्रशासन का बुलडोजर चलाए जाने का समाचार है। यह रिजार्ट कई हेक्टर क्षेत्र में बने हैं तथा इनके ध्वस्तीकरण में काफी समय लगने की बात कही जा रही है। लेकिन प्रशासन का बुलडोजर इन पर चलना शुरू हो गया है वहीं हरिद्वार के राजाजी नेशनल पार्क बनी एक सैयद सुल्तान शाह की मजार जिसे सैकड़ों साल पुराना बताया जा रहा है पर नोटिस चस्पा कर दिया गया है जिस पर कभी भी बुलडोजर चल सकता है।

सचिवालय में आयोजित समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री ने अरवन क्षेत्र में किए गए अतिक्रमण पर शीघ्र कार्यवाही करने और चिन्हीकरण का काम तेज करने के निर्देश अधिकारियों को दिए गए वही अतिक्रमण हटाने के दौरान होने वाले विरोध से निपटने के लिए पर्याप्त सुरक्षा बल मुहैया कराने की बात कही है।

'केदारनाथ धाम में दर्शन करने वालों की संख्या साढ़े चार लाख के पार'

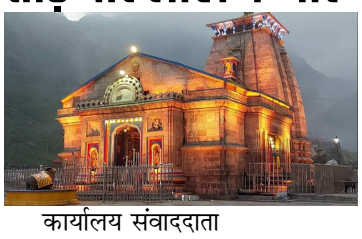

कार्यालय संवाददाता

रुद्रप्रयाग। जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने कहा कि चारधाम यात्रा पिछले वर्ष की रिकॉर्ड यात्रा में एक माह में ही 5 लाख यात्रियों ने केदारनाथ धाम के दर्शन किए थे। उन्होंने कहा कि अभी एक माह का भी समय नहीं हुआ है तथा आज केदारनाथ धाम में दर्शन करने वालों की संख्या साढ़े चार लाख के पार हो जाएगी तथा केदारनाथ धाम में दर्शन करने वालों की संख्या एक माह में लगभग 5 लाख तक पहुंच जाएगी।

उन्होंने कहा कि केदारनाथ धाम यात्रा को सुगम, सुव्यवस्थित ढंग से संचालित करने के लिए पिछली बार की यात्रा के अनुभव के दृष्टिगत इस वर्ष की यात्रा में सभी विभागों द्वारा अपनी-अपनी व्यवस्थाएं और दुरस्त की गई हैं जिसमें स्वास्थ्य विभाग द्वारा केदारनाथ धाम में दर्शन करने आ रहे तीर्थ यात्रियों का उचित स्वास्थ्य परीक्षण एवं उपचार किया जा रहा है तथा पशुपालन विभाग द्वारा भी घोड़े-खच्चरों की देखरेख एवं उनका उपचार ठीक तरह से किया जा रहा है तथा यात्रा मार्ग से लेकर केदारनाथ धाम में साफ-सफाई व्यवस्था निरंतर कराई जा रही है इसके लिए आ रहे तीर्थ यात्रियों एवं स्थानीय व्यापारियों को स्वच्छता बनाए रखने के लिए जागरूकता रैली के माध्यम से व्यापक रूप से प्रचार-प्रसार कर लोगों को जागरूक किया जा रहा है। इसके साथ ही ट्रैक रूट में किसी भी कमी को तुरंत ठीक किया जा रहा है जिससे कि केदारनाथ धाम में दर्शन करने आ रहे तीर्थ यात्रियों को कोई असुविधा न हो।

धारदार हथियार से महिला की हत्या

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। रुड़की के कलियर पिरान शरीफ आई महिला की धारदार हथियार से हत्या कर दी गई। महिला सहारनपुर से अपने पति को बच्चे के साथ कलियर आई थी। हत्या के कारणों का पता नहीं चल पाया है। वहीं घटना के बाद पुलिस के आलाधिकारी मौके पर पहुंचे और पड़ताल शुरू कर दी गयी।

जानकारी के अनुसार पुलिस को सूचना मिली थी कि कलियर थाना क्षेत्र के धनौरी स्थित बावनदरे पर एक महिला घायल अवस्था में पड़ी है। सूचना पर त्वरित कार्यवाही करते हुए पुलिस द्वारा मौके पर जाकर देखा गया तो एक महिला लहूलुहान स्थिति में वहां पर पड़ी थी। पुलिस ने घायल महिला को रुड़की सिविल अस्पताल भिजवाया। सिविल अस्पताल पहुंचने के दौरान महिला ने पुलिस को बताया कि उसके ऊपर किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा धारदार हथियारों से हमला किया गया है और उसके साथ उसका एक बेटा और पति भी मौजूद था। पुलिस पूछताछ में महिला ने अपना नाम सकीना निवासी सहारनपुर बताया। वही उपचार के दौरान महिला की मृत्यु हो गई। मामले की जानकारी मिलने पर एसएसपी हरिद्वार अजय सिंह, एसपी क्राइम रेखा यादव, एसपी सिटी स्वतंत्र कुमार, एसपी देहात एसके सिंह, सीओ सदर निहारिका सेमवाल, रूडकी सीओ पल्लवी त्यागी, सीओ मंगलौर बी एस सिंह चौहान थानाध्यक्ष बहदराबाद नितेश शर्मा, थानाध्यक्ष पिरान कलियर जहांगीर अली समेत अन्य अधिकारी मौके पर पहुंचे और मामले की जांच में जुट गए।

एसएसपी हरिद्वार अजय सिंह ने बताया कि महिला के घायल अवस्था में पड़ी होने की सूचना मिली थी जिसे अस्पताल भेजा गया जहां उसकी मौत हो गई। महिला ने पुलिस को अपने साथ पति और बेटा होने की बात बताई, लेकिन वह मौके से नहीं मिले। मामले की जांच की जा रही है।

मारपीट कर जान से मारने की धमकी देने पर पिता-पुत्र पर मुकदमा

संवाददाता

देहरादून। मारपीट कर जान से मारने की धमकी देने के मामले में पुलिस ने पिता पुत्र के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार सहसपुर निवासी अनिल रावत ने सहसपुर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह किसी काम से रूद्रपुर गया था तभी वहां पर कैलाश चौहान व उसके पुत्र ऋषभ चौहान ने उसका रास्ता रोक लिया और उसके साथ गाली गलौच करने लगे उसने जब उनका विरोध किया तो उन्होंने उसके साथ मारपीट करनी शुरू कर दी। आसपास के लोग वहां पर आये और उसको उनके चगुंल से बचाया तो दोनों उसको जान से मारने की धमकी देकर चले गये। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

आर.एन.आई.- 59626/94
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार
संपादक
पुष्पा कांति कुमार
समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार
कानूनी सलाहकारः
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*
कार्यालयः दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808
नोटः सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।